शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 293 | गुवाहाटी | शनिवार, 30 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नई कैबिनेट से सीनियर मंत्रियों की छुट्टी तय, युवाओं को मिलेगा मौका पेज 2
अरुणाचल सरकार एपीएसटी और आईएलपी से संबंधित मुद्दों के समाधान... पेज 3
पंजाब : निकाय चुनाव में आआपा को बढ़त, अकाली दल भी मजबूत पेज 5
नार्वे शतरंज 2026 : कार्लसन ने की शानदार वापसी गुकेश को हराया... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कोई भी अपने लिए आलसी होने की और मुर्ख होने की योजना नहीं बनाता। ये सारी चीजे तो तभी होती है जब आपके पास कोई योजना नहीं होती है।

– लेरी वीनगेट

राज्य सरकार ने शुरू किया दो लाख सरकारी नौकरियों का मिशन

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार ने अगले पांच वर्षों में राज्य के बेरोजगार युवाओं को 200,000 सरकारी नौकरियां प्रदान करने के लिए *मिशन 2 लाख सरकारी नौकरियां* नामक एक रोजगार पहल शुरू की है। इस योजना में विभिन्न विभागों, स्वायत्त संस्थानों, अर्ध-सरकारी निकायों, मिशनों और समितियों में भर्तियां शामिल हैं। यह निर्णय वर्तमान सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक कार्य बल गठित करने का संकल्प लिया गया। यह कार्य बल सभी पहलुओं की जांच करेगा और पांच वर्षों के भीतर इस चुनावी वादे को पूरा करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करेगा। कार्य बल से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अपने वादों को पूरा करने के प्रयास में आराम करने का समय नहीं है। मेरी टीम रिक्तियों की पहचान करने, कार्यसूची तैयार करने, विभागों और निकायों की रूपरेखा बनाने और 2 लाख सरकारी नौकरियों के वादे को पूरा करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने में पहले से ही लगी हुई है। 27 मई को, असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें संकल्प पत्र और राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुरूप 200,000 सरकारी नौकरियों के सृजन को क्रियान्वित करने में कार्य बल की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान हुई चर्चाओं में विभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों, स्वायत्त निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, मिशनों और समितियों में मौजूदा और संभावित रिक्तियों का मानचित्रण; सेवानिवृत्ति अनुमानों और श्रेणीवार रिक्तियों का आकलन; प्रत्यक्ष भर्ती रिक्तियों की पहचान; पारदर्शिता और समय पर नियुक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना; और नीतिगत उपायों और प्रोत्साहनों के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में मानव संसाधन की उपलब्धता में सुधार करना शामिल था। बैठक में मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान (सीएमएएए) जैसी योजनाओं के माध्यम से उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रत्यक्ष सरकारी भर्ती पर भी चर्चा की गई। अन्य विषयों में वार्षिक रोजगार लक्ष्य, विभागवार अनुमान और असम में सार्वजनिक रोजगार के लिए एक संरचित और पारदर्शी दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र स्थापित करना शामिल था। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान एडीआरई और विभागीय भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से 164,000 से अधिक भर्तियां हुईं। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को गहन आंतरिक मूल्यांकन करने और पांच वर्षीय रोडमैप की तैयारी के लिए कार्रवाई योग्य सुझाव प्रदान करने का निर्देश दिया है।

असम-मेघालय सीमा विवाद समाधान प्रक्रिया तेज करने पर सहमत : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम और मेघालय ने दशकों पुराने अंतर्राज्यीय सीमा विवाद के स्थायी समाधान की दिशा में सीमा निर्धारण प्रक्रिया को तेज करने पर सहमति जताई है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच लोक सेवा भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा का स्वागत किया। असम में नई सरकार के गठन के बाद दोनों राज्यों के बीच यह पहली औपचारिक उच्चस्तरीय वार्ता मानी जा रही है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सीमा विवाद के दूसरे चरण की प्रगति की समीक्षा की तथा शेष विवादित क्षेत्रों -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में अरुणाचल सरकार की गाड़ी ट्रक से टकराई, चार की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र डिमोरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब अरुणाचल प्रदेश सरकार का एक वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराया। फिलहाल, इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी वाहन तेज रफ्तार में था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क किनारे खड़े खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की -शेष पृष्ठ दो पर

युवा ड्रग्स को कहे *नो* और देश की प्रगति में बनें सहभागी : उपराष्ट्रपति

दावणगेरे (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर देश के विकास का दूत बनना चाहिए। आपकी बुद्धि और सोच पर आपका नियंत्रण होना चाहिए, किसी भी प्रकार के नशे का नहीं। इसलिए ड्रग्स को *नो* कहें और देश की प्रगति में सहभागी बनें। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को कर्नाटक के दावणगेरे स्थित प्रतिष्ठित यूबीडीटी इंजीनियरिंग कॉलेज के अमृत महोत्सव समारोह में को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 1951 में स्थापित यूबीडीटी कॉलेज कर्नाटक का पहला सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज होने का गौरव रखता है। उन्होंने संस्थान की स्थापना में योगदान देने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसार : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसार किया जाएगा। भारत ने बांग्लादेश के अधिकारियों को 2680 व्यक्तियों की नागरिकता सत्यापित करने के लिए भेजे हैं। भारत ने कहा कि ऐसा होने पर इन्हें प्रत्यर्पित करने की कार्यवाही की जाएगी। -शेष पृष्ठ दो पर

बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल की स्लैब ढहने से छह की मौत

हमीरपुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर बन रहे नए पुल की स्लैब व शटरिंग शुक्रवार तड़के आंधी और तूफान के बीच भरभराकर ढह गई। जिसके मलबे में दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। अभी कुल लोगों के मलबे दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए -शेष पृष्ठ दो पर

असम समेत पूर्वोत्तर में मानसून सामान्य रहने की संभावना

गुवाहाटी। जहां एक ओर पूरे भारत में इस वर्ष सामान्य से कमजोर दक्षिण-पश्चिमी मानसून रहने की संभावना है, वहीं असम सहित पूर्वोत्तर के लिए स्थिति अपेक्षाकृत सकारात्मक बनी हुई है, क्योंकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जून-सितंबर मानसून अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सामान्य मौसमी वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है। आईएमडी के दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसमी वर्षा 2026 के दीर्घकालिक पूर्वानुमान के अनुसार, मानसून के मौसम के दौरान देश में दीर्घकालिक औसत (एलपीए) वर्षा का 90 प्रतिशत प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसमें मॉडल त्रुटि का मार्जिन +/-4 प्रतिशत है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर समग्र मानसून को सामान्य से नीचे की श्रेणी में रखा गया है। हालांकि, पूर्वानुमान से संकेत -शेष पृष्ठ दो पर

असम में शिशु मृत्यु दर घटकर 2024 में 29 हुई : सरकारी आंकड़े

गुवाहाटी। असम ने हाल के वर्षों में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, असम में शिशु मृत्यु दर 2024 में 29 रही, जो 2018 की तुलना में एक बड़ी गिरावट है, जब यह दर 41 जितनी अधिक थी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 2024 में 31 थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह घटकर 14 के निचले स्तर पर आ गई थी। असम में 2018 में कुल शिशु मृत्यु दर 41 दर्ज की गई थी, जो 2019 में मामूली रूप से घटकर 40 हो गई, फिर 2020 में और घटकर 36, 2021 में 34, 2022 में 32, 2023 में 30 और 2024 में 29 हो गई, जिसके लिए आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए हैं। भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) अलग-अलग थी, जो मणिपुर में दो से लेकर छत्तीसगढ़ में 36 तक थी। अधिकतर मामलों में, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर अधिक थी। सभी राज्यों में असम में ग्रामीण (31) और शहरी (14) क्षेत्रों के बीच शिशु मृत्यु दर में सबसे अधिक अंतर था। भारत में औसत शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 2012-14 (तीन वर्ष की अवधि) में 40.6 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 25.4 प्रतिशत हो गई, जिसमें 37.4 प्रतिशत की गिरावट आई। ग्रामीण शिशु मृत्यु दर में 36 प्रतिशत की कमी आई, जबकि शहरी शिशु मृत्यु दर में 35.1 प्रतिशत की कमी आई। असम में, इस अवधि के दौरान औसत शिशु मृत्यु दर में 42.4 प्रतिशत की गिरावट आई, जो -शेष पृष्ठ दो पर

हार के बाद संभलने की तैयारी

इंडी गठबंधन 6 जून को करेगा बैठक, तय होगी आगे की रणनीति

नई दिल्ली। देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का जायजा लेने और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए विपक्षी इंडी गठबंधन आगामी 6 जून को एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहा है। इंडी गठबंधन की इस बैठक में क्षेत्रीय दलों की कमजोर होती स्थिति और चुनावी सूचियों (वोटर लिस्ट) में गड़बड़ी जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। दरअसल, अंग्रेजी वेबसाइट टीओआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार और भाजपा की बढ़ती मजबूती के बीच, ममता बनर्जी की टीएमसी और राहुल गांधी सहित तमाम विपक्षी नेता अब आपसी मतभेदों को भुलाकर *लोकतंत्र को बचाने* के लिए एकजुट होने की तैयारी में हैं। विपक्षी दलों में यह चिंता लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में जहरीली शराब पीने से 12 की मौत, आठ गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में जहरीली शराब पीने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी और फुगेवाड़ी इलाके में आठ लोगों ने दम तोड़ा, जबकि पुणे के काले पड़ल इलाके में तीन और हडपसर इलाके में दो लोगों की मौत हुई। घटना के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है और प्रभावित इलाकों में जांच तेज कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जहरीली शराब आरोपी -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के उखरूल में उग्रवादियों का एस्कॉर्ट वाले ट्रकों पर हमला, एक की मौत

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के उखरूल जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों की निगरानी में जा रहे आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रकों के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मणिपुर पुलिस के संयुक्त सुरक्षा दल की निगरानी में करीब 15-20 ट्रकों का काफिला उखरूल की ओर जा रहा था। इसी दौरान टीएम कासोम क्षेत्र के निकट उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमले में एक ट्रक चालक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों के मुताबिक इंफाल-उखरूल मार्ग पर बाद में भी रुक-रुककर फायरिंग की खबरें मिलीं, जिससे पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। -शेष पृष्ठ दो पर

छग में पीएम मातृ वंदन योजना की आईडी हैक कर निकाले गए 60 लाख रुपए

दंतेवाड़ा (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की आईडी हैक कर प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में करीब 60 लाख रुपए की हेराफेरी का मामला सामने आया है। शुरुआती जांच में 1400 से अधिक फर्जी हितग्राहियों का पंजीयन मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मामले में विभागीय कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश ध्रुव ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल कर योजना पोर्टल में फर्जी एंट्री किए जाने का खुलासा हुआ है। आरोप है कि फर्जी हितग्राहियों के नाम पर करीब 60 लाख रुपए -शेष पृष्ठ दो पर

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : अमित शाह

भुज (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। -शेष पृष्ठ दो पर

एक अगस्त से बंगाल में शुरू होगी जनगणना : सीएम

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में आगामी एक अगस्त से जनगणना का कार्य शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया अगस्त 2026 से शुरू होकर फरवरी 2027 तक चलेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया देश और राज्य दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकीय स्थिति विशेष महत्व रखती है, क्योंकि राज्य की लगभग 600 किलोमीटर लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है। उन्होंने दावा किया कि सीमा के कुछ हिस्सों में अब तक फेंसिंग नहीं होने और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

नारनौल में बिजली संकट से नाराज ग्रामीणों ने लगाया जाम

नारनौल (हिंस)। नारनौल क्षेत्र में लगातार बनी हुई बिजली समस्या को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हरनाथ की ढाणी के ग्रामीणों ने बायल के मुख्य गेट पर सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब एक महीने पहले आई आंधी में इलाके के कई बिजली पोल गिर गए थे, लेकिन बिजली निगम अब तक स्थायी समाधान नहीं कर पाया। ग्रामीणों ने बताया कि आंधी के बाद बिजली निगम की ओर से पोल लगाने का कार्य एक ठेकेदार को सौंपा गया था। इस दौरान मौके पर रखे बिजली के तार चोरी हो गए, जिसके कारण काम अधूरा रह गया। बाद में गांव में अस्थायी व्यवस्था के सहारे बिजली आपूर्ति शुरू की गई थी, लेकिन बीते दिन फिर तेज आंधी आने से दोबारा कई बिजली पोल गिर गए। इसके बाद पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था ठप हो गई। बिजली आपूर्ति बंद होने से गांव में पेयजल संकट भी गहरा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं होने के कारण पानी की मोटरें बंद पड़ी हैं, जिससे घरों में पानी की भारी किल्लत हो रही है।

कर्नाटक में केरलम मॉडल की तैयारी

नई कैबिनेट से सीनियर मंत्रियों की छुट्टी तय, युवाओं को मिलेगा मौका

नई दिल्ली। कर्नाटक का अगला मंत्रिमंडल केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के प्रयोग जैसा हो सकता है। मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद पार्टी आलाकमान युवा और नई टीम बनाने पर विचार कर रहा है। कांग्रेस संतुलन बनाने की ओर बढ़ती दिख रही है, क्योंकि वह संभवत: 64 वर्षीय डी.के. शिवकुमार को सत्ता की बागडोर सौंपने की तैयारी कर रही है। ऐसी अटकलें जोरों पर हैं कि अगर शिवकुमार सत्ता संभालते हैं, तो सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ सदस्यों को अगली सरकार में जगह नहीं मिल पाएगी। जिन लोगों की जगह जा सकती है, उनमें समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा (73), ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज (76) और गृह मंत्री जी. परमेश्वर (74) शामिल हैं। बैरथी सुरेश, संतोष लाड, दिनेश गुंडू राव और बीजेड जमीर अहमद खान पर भी नजर रखी जा रही है, क्योंकि वे निवर्तमान मुख्यमंत्री के काफी करीब माने जाते हैं। यह फेरबदल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस सोच के अनुरूप हो सकता है, जिसमें वे युवा मंत्रिमंडल चाहते हैं। जिस मॉडल को केरलम के यूडीएफ ने अपनाया था। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जोर देकर कहा कि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, और नए मंत्रिमंडल का चुनाव करते समय अनुभव को अभी भी एक अहम आधार माना जाएगा। कुछ लोगों का कहना है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अनुभव और युवा चेहरों के एक स्वस्थ मिश्रण पर विचार कर रहा है। सिद्धारमैया सरकार के लगभग 15 मंत्रियों और पांच युवा मंत्रियों को अगली सरकार में भी बनाए रखा जा सकता है, जबकि बाकी पद उन नए चेहरों को दिए जा सकते हैं, जिन्हें शिवकुमार ने खुद चुना होगा। कर्नाटक में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिमंडल में कुल 34 पद हैं, जिनमें के.एन. राजन्ना और बी. नागेंद्र के इस्तीफे तथा डी. सुधाकर के निधन के बाद तीन पद खाली हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि राहुल ने पहले सिद्धारमैया को सलाह दी थी कि वे अपने मंत्रिमंडल में 50 वर्ष से कम उम्र के ज्यादा विधायकों को शामिल करें। अगली सरकार के गठन में भी इसी फॉर्मूले को अपनाया जाएगा। टीओआई पूर्व मंत्री आर.वी. देशपांडे ने आगाह किया है कि बदलाव की इस दौड़ में अनुभवी सदस्यों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हमें अब तक नई कैबिनेट के बारे में कुछ भी सुनने को नहीं मिला है, लेकिन अगर सरकार चलानी है, तो उसमें सिर्फ नए चेहरे ही नहीं हो सकते, 79 साल के देशपांडे ने को बताया।

पश्चिम बंगाल में सीमा पर बाड़ के लिए ग्रामीणों ने बीएसएफ को सौंपी अपनी जमीन

कूचबिहार। कूचबिहार जिले के तीन निवासियों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए अपनी जमीन का एक हिस्सा दान किया है। निवासियों ने बताया कि यह कदम सुरक्षा चिंताओं के कारण उठाया गया है, क्योंकि वर्षों से उचित बाड़ न होने के कारण घुसपैठ, तस्करी और कृषि भूमि को नुकसान हो रहा था। यह घटनाक्रम बंगाल में इस महीने की शुरुआत में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के लिए जमीन सौंपने के व्यापक अभियान के बीच आया है। जमीन दान करने वाले या दानदाताओं से जुड़े निवासियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बाड़ लगने से गांव और आसपास के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा में सुधार होगा, वहीं राज्य सरकार ने भी चौकियों और कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भूमि दानदाताओं में से एक बिकाश राय ने कहा कि यह भूमि गांव के कल्याण और देश की सुरक्षा के लिए दी गई है। उन्होंने कहा कि बाड़बंदी से घुसपैठियों को सीमा पार करने से रोका जा सकेगा और इसके पूरा होने पर गांव और देश दोनों अधिक सुरक्षित हो जाएंगे। समाचार एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी। राय ने बताया कि उनके परिवार ने 0.2 एकड़ जमीन दी थी, एएनआई ने आगे बताया। उन्होंने कहा कि बाड़ न होने के कारण पहले बांग्लादेश से लोग रात में इलाके में घुस आते थे, मवेशी चुरा लेते थे और सामान ले जाते थे, और इसी तरह घुसपैठ भी होती रही थी। उन्होंने बाड़ लगाने को सरकार का एक अच्छा कदम बताया और कहा कि इससे ग्रामीणों को सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। जमीन के मुआवजे के बारे में राय ने कहा कि अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया जारी है, सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और कुछ दिनों में पैसा मिलने की उम्मीद है। यह

सपा जिलाध्यक्ष का भाजपा पर हमला, कहा-

22 परीक्षाओं में आरक्षित पदों का नुकसान कर रही सरकार

औरैया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजवादी पार्टी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति और ओबीसी श्रेणी के आरक्षण घोटाले को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। ककोर स्थित पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सर्वेश बाबू गौतम ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण अधिकारों को कमजोर करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और वंचित समाज के युवाओं को सरकारी नौकरियों में उनका हक नहीं मिल पा रहा है और आरक्षित वर्ग के अधिकारों के साथ लगातार अन्याय किया जा रहा है। शुक्रवार को आयोजित वार्ता में सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से पिछड़े, दलित और वंचित समाज को बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू कराई थी, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार धीरे-धीरे उसी व्यवस्था को कमजोर करने में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी नौकरियों में आरक्षित वर्ग के पदों को सही तरीके से नहीं भरा जा रहा और पीडीए समाज के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सर्वेश बाबू गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार के पिछले दस वर्षों के कार्यकाल में कई सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने दावा किया कि आरक्षित सीटों में कटौती और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के कारण हजारों युवाओं को नौकरी से वंचित होना पड़ा है। सपा जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम के अनुसार सरकार की नीतियों से सबसे अधिक नुकसान पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को हुआ है। वार्ता में मुख्य रूप से दिबियापुर विधायक प्रदीप यादव, बिधूना विधायक रेखा वर्मा, पूर्व विधायक प्रमोद गुप्ता, रश्मि यादव, अनवर यादव, रानू पालीवाल और राजकुमार दोहरे सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने एक स्वर में कहा कि आरक्षण व्यवस्था संविधान की आत्मा है और इसके अधिकारों की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी।

ग्वालपाड़ा में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से तीन लोगों की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के गोरैमारी इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि शौचालय के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण तीनों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कृष्ण दास, विष्णु दास और यशोक राभा के रूप में की गई है। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

NOTICE

Opening of SCVT affiliation portal

Portal for submission of online application for affiliation of Institutes as Industrial Training Institutes (ITI s) under State Council for Vocational Training (SCVT) Assam will be opened as per schedule below. Interested organisations/ Institutes are requested to visit official website http://iti.assam.gov.in of Directorate of Employment and Craftsmen Training Assam for all details.

Dates of commencement of Registration process	01-06-2026
Registration closes on	16-07-2026

-- DIPR /D/ VBS-21/ 30-May-26

sd/-
Director
Employment and Craftsmen Training Assam

पृष्ठ एक का शेष

असम-मेघालय सीमा ...

में मैदानी सर्वेक्षण और प्रशासनिक समन्वय को तेज करने पर जोर दिया। दोनों राज्यों के बीच लगभग 884 किलोमीटर लंबी साझा सीमा के कई हिस्सों में अभी भी विवाद बना हुआ है। सीमा विवाद के अलावा बैठक में आधारभूत संरचना विकास, सड़क एवं परिवहन संपर्क, व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मुख्यमंत्रियों ने पूर्वोत्तर राज्यों के बीच बेहतर समन्वय को क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यक बताया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि असम और मेघालय केंद्र सरकार की *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना के अनुरूप पूर्वोत्तर क्षेत्र की विकास क्षमता को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, असम-मेघालय सीमा विवाद वर्ष 1972 से चला आ रहा है, जब मेघालय को असम से अलग कर नया राज्य बनाया गया था। मार्च, 2022 में दोनों राज्यों ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 12 में से छह विवादित क्षेत्रों का समाधान किया गया था। यह बैठक शेष छह विवादित क्षेत्रों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

गुवाहाटी में अरुणाचल ...

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर वाहन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। बाद में सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार अथवा कम दृश्यता को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

असम समेत पूर्वोत्तर में ...

मिलता है कि पूर्वोत्तर भारत में जून से सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान सामान्य वर्षा होने की सबसे अधिक संभावना है, जिसे एलपीए के 94 प्रतिशत और 106 प्रतिशत के बीच परिभाषित किया गया है। इसके विपरीत, मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, जबकि उत्तर-पश्चिमी भारत में भी मौसमी औसत से कम वर्षा होने की आशंका है। असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए, यह पूर्वानुमान वर्षा की परिवर्तनशीलता और कृषि, जल संसाधनों और आजीविका पर इसके प्रभाव को लेकर चिंताओं के बीच कुछ राहत प्रदान करता है। यह क्षेत्र देश के उन कुछ हिस्सों में से एक है जहां मानसून के कमजोर पूर्वानुमान के बावजूद मौसमी वर्षा सामान्य सीमा के भीतर रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगे कहा है कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम मौसमी वर्षा होने की संभावना है, लेकिन उत्तर-पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। पूर्वी दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों, पूर्वी-मध्य भारत से सटे क्षेत्रों और पूर्वी भारत के कुछ अलग-थलग इलाकों में भी इसी तरह की स्थिति होने की संभावना है। मानसून के मौसम के पहले महीने, जून 2026 के लिए पूर्वानुमान पूर्वोत्तर के लिए भी उत्साहजनक तस्वीर पेश करता है। जबकि पूरे देश में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, जो वार्षिक वार्षिक वर्षा के 92 प्रतिशत से कम होगी, वहीं पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में इस महीने सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। इसके विपरीत, देश के अधिकांश अन्य क्षेत्रों में जून में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, केवल उत्तर-पश्चिम भारत के चुनिंदा क्षेत्रों, दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों और मध्य भारत के कुछ छिटपुट इलाकों में ही सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जून माह में गर्म मौसम का पूर्वानुमान लगाया है। देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान भी बड़े क्षेत्रों में सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। हालांकि, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से कम रह सकता है। मौसम पूर्वानुमान में चिंता का एक अन्य क्षेत्र मानसून कोर जोन (एमसीजेड) है, जिसमें देश के वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों का एक बड़ा हिस्सा शामिल है। आईएमडी ने एमसीजेड में सामान्य से कम वर्षा का अनुमान लगाया है, जिससे पूर्वोत्तर के बाहर के कृषि-निर्भर क्षेत्रों के लिए चिंता बढ़ गई है। मौसम एजेंसी ने कहा है कि वह जून के आखिरी सप्ताह में जुलाई में होने वाली बारिश का पूर्वानुमान जारी करेगी, जिससे मानसून के चरम वर्षा ऋतु के दौरान उसकी प्रगति के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी।

असम में शिशु मृत्यु दर...

2012-14 में 52.8 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 30.4 प्रतिशत हो गई। असम के ग्रामीण क्षेत्रों में 2012-14 और 2022-24 के बीच शिशु मृत्यु दर में 42 प्रतिशत की कमी आई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 51.8 प्रतिशत तक गिर गई। राज्य की कुल नवजात मृत्यु दर 2024 में 20 थी। असम के शहरी क्षेत्रों में यह 21 और ग्रामीण क्षेत्रों में 12 थी। समीक्षाधीन वर्ष में नवजात शिशुओं की मृत्यु का शिशु मृत्यु में प्रतिशत हिस्सा 69.4 प्रतिशत था। भारत में नवजात शिशु मृत्यु दर 2024 में प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 18 थी, जो ग्रामीण क्षेत्रों (प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 20 मृत्यु) में शहरी क्षेत्रों (प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 12 मृत्यु) की तुलना में अधिक थी। नवजात शिशु मृत्यु का शिशु मृत्यु में प्रतिशत 72.8 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि शिशु मृत्यु का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जीवन के पहले 28 दिनों के भीतर हुआ। इस बीच, असम में वर्ष 2024 में प्रारंभिक नवजात मृत्यु दर 14 थी। राज्य में प्रसवकालीन मृत्यु दर 19 और मृत जन्म दर 5 दर्ज की गई। असम में 2024 में दर्ज की गई पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की कुल मृत्यु दर 34 थी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 36 और शहरी क्षेत्रों में 16 था। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राज्य में क्रूड डेथ रेट (सीडीआर) 6.1 रहा, जबकि राष्ट्रीय औसत 6.4 था। उस वर्ष ग्रामीण असम में सीडीआर 6.2 था, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 5.6 था। राज्य के औसत सीडीआर में 2012-14 और 2022-24 के बीच 17.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो देश के सभी बड़े राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक थी। कुल मिलाकर, 2012-14 से 2022-24 की अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर सीडीआर में 5.8 प्रतिशत की कमी आई। असम की जनसंख्या में विभिन्न आयु समूहों का प्रतिशत हिस्सा कामकाजी आयु वर्ग में अधिक अनुपात दर्शाता है। जहां 2024 में राज्य की कुल जनसंख्या का 25.3 प्रतिशत हिस्सा 0-14 वर्ष आयु वर्ग का था, वहीं 15-59 वर्ष आयु वर्ग का हिस्सा 67.1 प्रतिशत था। अन्य 7.6 प्रतिशत लोग 60 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के थे। राष्ट्रीय स्तर पर, 15-59 वर्ष आयु वर्ग की कुल जनसंख्या का प्रतिशत 66.4 प्रतिशत था।

युवा ड्रग्स को कहे नो ...

वाले ब्रह्मप्पा देवेंद्रप्प तावणप्पा तथा मैसूर के महाराजा जयचामराज वोडेयार के योगदान का भी स्मरण किया। राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में इस संस्थान ने देश को 30 हजार से अधिक इंजीनियर दिए हैं। यह केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि देश की तकनीकी शिक्षा का गौरवशाली स्तंभ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया तथा स्किल इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर निर्माण और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में भारत अग्रणी बन रहा है और युवा इंजीनियरों को इस तकनीकी क्रांति का नेतृत्व करना चाहिए। युवाओं को भावनात्मक संदेश देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपकी बुद्धि और सोच पर आपका नियंत्रण होना चाहिए, किसी भी प्रकार के नशे का नहीं। केवल हम ही नहीं, बल्कि हमारे मित्र, परिवार और समाज को भी मिलकर ड्रग्स के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। इसलिए युवा ड्रग्स को नो कहें और देश की प्रगति में सहभागी बनें। समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि कर्नाटक शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है। बेंगलुरु को भारत की *सिलिकॉन वैली* के रूप में पहचान दिलाने में यहां की शिक्षण संस्थाओं और प्रतिभाशाली युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्यपाल ने कहा कि यूबीडीटी कॉलेज पिछले सात दशकों से तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में तकनीकी शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, ग्रीन टेक्नोलॉजी तथा साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। अमृत महोत्सव समारोह में कॉलेज की 75 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। समारोह में आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के निर्मलानंदनाथ महास्वामी, पूर्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन, दावणगेरे सांसद डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन, मैसूर-कोडगु सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वोडेयार, एआईसीटीई अध्यक्ष टीजी सीताराम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इंडी गठबंधन 6 जून ...

गहरी हो रही है कि आपस में तालमेल और एकता की कमी का सीधा फायदा सत्ताधारी भाजपा को मिल रहा है, जिससे उसकी राजनीतिक पकड़ और मजबूत होती जा रही है। हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद विपक्षी दलों के तेवर और कड़े हो गए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश की मौजूदा चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि अब चुनाव कराने के तौर-तरीकों को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों का विशेष रूप से जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां भाजपा ने जनादेश को *चुरा* लिया था। चुनाव के इन अनुभवों और बदलती राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए विपक्षी दल के नेता अब नए सिरे से जमीन मजबूत करने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में देश की चुनावी सूचियों (वोटर लिस्ट) में कथित गड़बड़ियों और पारदर्शिता के मुद्दे पर विपक्ष अपनी साझा रणनीति तैयार करेगा। गौरतलब है कि बंगाल चुनाव में भाजपा ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को राज्य में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद से ही ममता बनर्जी विपक्षी दलों की एक बैठक बुलाने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में ममता बनर्जी ने कहा था कि हम चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन की बैठक जून के पहले हफ्ते में बुलाई जाए और इसमें और भी समान विचारधारा वाले दलों को बुलाया जाए।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब ...

योगेश वानखेडे ने तैयार की थी, जो कथित तौर पर अवैध शराब कारोबार से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मामले में अभी तक 8 संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पूरे इकोसिस्टम का पता चल गया है। आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में पत्रकारों से कहा कि जहरीली शराब की आपूर्ति के पीछे के नेटवर्क की पहचान कर ली गई है। पुलिस और आबकारी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। जल्द कुछ और गिरफ्तारियां होंगी। राज्य आबकारी आयुक्त अतुल कनाडे ने बताया कि फुगेवाड़ी और हडपसर में शराब आपूर्ति करने वाले मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े को हिरासत में लेकर पिंपरी चिंचवड़ पुलिस को सौंप दिया गया है। पिंपरी चिंचवड़ के डीसीपी संदीप अतोले ने बताया कि फुगेवाड़ी में सात लोगों की मौत हुई है। तीन लोगों का इलाज जारी है। वहीं, हडपसर थाने के सीनियर इंस्पेक्टर संजय मोगाले ने वहां पांच मौतों की पुष्टि की। अधिकारियों के मुताबिक मौत के सटीक कारणों के लिए पोस्टमार्टम और टेस्ट रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हडपसर में अवैध शराब के एक ठिकाने को नष्ट कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला। पवार ने दावा किया कि मरने वालों की संख्या 18 है।

मणिपुर के उखरूल में उग्रवादियों ...

इस घटना से कुछ घंटे पहले शांगकाई गांव में भी स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आवश्यक वस्तुओं से लदे वाहनों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले और स्मोक बम का इस्तेमाल किया। इस दौरान कम से कम पांच नागरिकों के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने बताया कि हमला शांगकाई गांव से लगभग छह किलोमीटर दूर हुआ। क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए आवश्यक वस्तुओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ट्रकों को सुरक्षा एस्कॉर्ट प्रदान किया जा रहा था। घटना के बाद राज्य में मालवाहक वाहनों और परिवहन कर्मियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि, इसी सप्ताह मुख्यमंत्री ने मणिपुर ट्रक ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया था।

छग में पीएम मातृ वंदन ...

की राशि अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर निकाल ली गई। प्रारंभिक जांच में बारसूर, बचेली, गीदम, कटेकल्याण और कुआकोंडा क्षेत्र सहित कई इलाकों में फर्जी हितग्राहियों के नाम सहित 1400 से अधिक फर्जी हितग्राहियों के पंजीयन की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि विभागीय पोर्टल में फर्जी बैंक खाते जोड़कर लंबे समय से राशि निकाली जा रही थी। मामले के सामने आने के बाद विभाग ने संबंधित आईडी ब्लॉक कर दी है और ट्रांजेक्शन, दस्तावेजों तथा बैंक खातों की जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि विभाग की आईडी और पासवर्ड की जानकारी बाहर कैसे पहुंची। जांच के दायरे में विभाग के कुछ कर्मचारी और अधिकारी भी बताए जा रहे हैं। प्रशासन को कई गांवों और आंगनबाड़ी केंद्रों में संदिग्ध पंजीयन और भुगतान की जानकारी मिली है। वर्ष 2025 और 2026 के दौरान योजना के क्रियान्वयन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से गड़बड़ी बढ़ती गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण के लिए चलाई जाती है। ऐसे में हितग्राहियों तक राशि नहीं पहुंचने से सरकारी निगरानी व्यवस्था और विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की गई है और एफआईआर दर्ज करने की तैयारी भी की जा रही है। इस संबंध में दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश ध्रुव ने शुक्रवार को बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अगले दो वर्षों में देश...

आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में *चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड* तैयार किया जाएगा और केवल सीमा सुरक्षा की जगह *टेरिटोरियल सिक्योरिटी* यानी क्षेत्रीय सुरक्षा का नया मॉडल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था में बीएसएफ के साथ-साथ स्थानीय नागरिक, सिविल प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत और व्यापक बनेगी। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का यह प्रयास देश की सुरक्षा को नई दिशा देगा। स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हजारों करोड़ रुपए खर्च कर सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बना रही है। ड्रोन, रडार, अत्याधुनिक सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और आधुनिक संचार नेटवर्क के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन तकनीकों और जवानों की तैनाती से ऐसा मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार होगा, जिसके बाद कोई भी घुसपैठिया भारतीय सीमा को भेदने की हिम्मत नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुछ नए क्षेत्रों की सुरक्षा जिम्मेदारी भी बीएसएफ को सौंपने पर विचार कर रही है।

एक अगस्त से बंगाल...

पूर्ववर्ती सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल को जमीन उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह कार्य अपेक्षाकृत देर से आरंभ हो रहा है। बावजूद इसके, राज्य सरकार तय समय सीमा के भीतर जनगणना पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी नागरिक सही और सटीक जानकारी देकर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि जनगणना प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनगणना प्रक्रिया में हुई देरी के लिए पूर्ववर्ती सरकार और पूर्व मुख्य सचिव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह कोई कैबिनेट का विषय नहीं था, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर लिया जाने वाला निर्णय था। मुख्यमंत्री के अनुसार, पूर्व मुख्य सचिव राजनीतिक सहमति का इंतजार करते रहे, जिसके कारण जनगणना कार्य समय पर शुरू नहीं हो पाया।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के...

बहुत से मामले पांच साल से लंबित हैं। हमारी अपेक्षा है कि बांग्लादेश इस संबंध में तेज कार्यवाही करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नागरिकों की अवैध मौजूदगी के बारे में दोनों देशों के बीच व्यवस्था है तथा इन्हें वापस भेजा जा सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इबोला बीमारी से ग्रसित अफ्रीकी देश युगांडा को औषधियों की खेप भेजी गई है। भारत अफ्रीकी महाद्वीप के देशों को इस स्वास्थ्य इमरजेंसी से निपटने के लिए हर आवश्यक सहायता देने के लिए तत्तपर है। एक अन्य सवाल पर प्रवक्ता ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार के राष्ट्रपति 30 मई से 2 जून तक भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह बोधगया और मुंबई भी जाएंगे। दोनों देशों के नेता सीमा सुरक्षा और संपर्क सुविधाओं के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

बेतवा नदी पर ...

है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ टीम को लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक जिले के ललपुरा क्षेत्र के परसनी और कंडौर के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिगं भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना पाते ही पुलिस और सेतु निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ को लगाया गया है। अभी तक मलबे से चिल्ला बांदा निवासी लोकेंद्र (24) पुत्र राधेश्याम निषाद, कुलदीप (21) पुत्र प्रेमचंद्र निषाद, भूरागढ़ बांदा निवासी सावंत (30), स्वासा ललपुरा हमीरपुर निवासी सभाजीत (30), पुष्पेंद्र सिंह (35) व अछपुरा ललपुरा निवासी राजेश पाल (41) के शव निकाले गए है। मजदूरों ने राजेश, कल्लू व अवधेश समेत अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई है। बचाव दल ने पुल के पिलर में फंसे तीन मजदूरों को बचा लिया गया है। ललपुरा थाना प्रभारी राकेश सरोज ने बताया कि हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा रहा है। बता दे कि हमीरपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में राठ-हमीरपुर स्टेट हाइवे से परसनी, कंडौर होते हुए कुरारा फोरलेन हाइवे को जोडने के लिए ललपुरा थाना क्षेत्र के परसनी और कंडौर गांव के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल बन रहा है। इसके लिए 7912,24 लाख रुपए का प्रावधान किया गया था। इस पुल के लिए स्थानीय वासी राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने बड़ी पहल की थी। इसके बनने से कुरारा से मिर्जापुर झांसी हाइवे होते हुए परसनी की तरफ जाने में ये दूरी बहुत ही कम हो जाएगी।

तापमान

अधिकतम 36⁰ न्यूनतम 25⁰

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने उखरुल में एनएच-202 पर हुए कायरतापूर्ण हमले की निंदा की

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को उखरुल जिले के लिटन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लेइंगांगचिंग और टीएम कसम के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा एक मालवाहक वाहन पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल के एक ट्रक चालक की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गोली लगने से हुई मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। गौरतलब है कि बीएसएफ, सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के कर्मियों वाली एक संयुक्त टीम लगभग 15 से 20 वाणिज्यिक ट्रकों को उखरुल की ओर ले जा रही थी, तभी टीएम कसम के पास संदिग्ध आतंकवादियों ने काफिले पर हमला कर दिया। खबरों के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप हमलावरों के साथ संक्षिप्त गोलीबारी हुई। उन्होंने आगे कहा कि एक मालवाहक वाहन पर घात लगाकर हमला करना और चालक की जान लेना, जो पूरे राज्य में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सबसे कायरतापूर्ण कृत्यों में से एक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि यह हमला राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार की पहलों को विफल करने के इरादे से निहित स्वार्थों वाले समूहों द्वारा किया गया प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद ने घात लगाकर किए गए हमले में घुटने में गोली लगने से घायल हुए पुलिस कांस्टेबल के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने बताया कि दोषियों को पकड़ने और देश के कानून के अनुसार उन्हें दंडित करने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाया जा रहा है।

अरुणाचल सरकार एपीएसटी और आईएलपी से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए चार उच्चस्तरीय समितियों का गठन करेगी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने एपीएसटी प्रमाणपत्र सत्यापन, गैर-एपीएसटी संतानों से संबंधित चिंताओं, इनर लाइन परमिट (आईएलपी) प्रणाली को मजबूत करने और अवैध घुसपैठ से संबंधित प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने के लिए चार उच्च-स्तरीय समितियों के गठन का निर्णय लिया है। अरुणाचल स्वदेशी जनजाति मंच (एआईटीएफ), सामुदायिक संगठनों (सीबीओ), अखिल अरुणाचल प्रदेश छात्र संघ (एएपीएसयू), एसटी बचाओ आंदोलन समिति के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम खांडू ने कहा कि एसटी बचाओ आंदोलन द्वारा उठाई गई चार प्रमुख मांगों के जवाब में चर्चा आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि चार समितियों को अरुणाचल प्रदेश अनुसूचित जनजाति (एपीएसटी) प्रमाणपत्रों के पुन: सत्यापन, गैर-एपीएसटी संतानों से संबंधित मुद्दों, 2026 के लिए आईएलपी दिशानिर्देशों को मजबूत करने और उनकी समीक्षा करने और अवैध घुसपैठ से निपटने के उपायों की जांच और सिफारिश करने का कार्य सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि अरुणाचल स्वदेशी जनजाति फोरम (एआईटीएफ), सामुदायिक संगठनों, एएपीएसयू, एसटी बचाओ आंदोलन समिति, सरकारी अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ एसटी बचाओ आंदोलन द्वारा उठाई गई चार प्रमुख मांगों पर चर्चा के बाद आज चार उच्च-स्तरीय समितियों के गठन पर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक समिति की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री स्तर के नेता द्वारा की जाएगी और इसमें एआईटीएफ, एपीएसयू, एसटी बचाओ आंदोलन समिति के प्रतिनिधि, कानूनी विशेषज्ञ, शोधार्थी और महिला प्रतिनिधि शामिल होंगे ताकि एक समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक समिति का नेतृत्व कैबिनेट मंत्री स्तर के नेतृत्व में किया जाएगा और इसमें एआईटीएफ, आपसू, एसटी बचाओ आंदोलन समिति के प्रतिनिधि, कानूनी विशेषज्ञ, शोधार्थी और महिला प्रतिनिधि शामिल होंगे ताकि एक संतुलित, समावेशी और कार्रवाई उन्मुख प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। खांडू ने आगे कहा कि समितियों के गठन से संबंधित आधिकारिक अधिसूचना सोमवार तक जारी कर दी जाएगी।

तिनसुकिया से अल्फा-आई में शामिल होने के आरोप में तीन युवक हिरासत में

तिनसुकिया (हिंस)। असम के तिनसुकिया जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) में शामिल होने की कथित कोशिश के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए युवकों की पहचान नंबर-2 नलोनी गांव निवासी बिजॉय मोरान (28), नंबर-2 टेकेरी गांव निवासी अंतु मोरान (34) तथा न्यूटन मोरान (22) के रूप में हुई है। तीनों पेंगेरि थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ये युवक संगठन के संपर्क में आने और उसमें शामिल होने की योजना बना रहे थे। इसके आधार पर पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों से पूछताछ की जा रही है ताकि उनके संभावित संपर्कों, भर्ती नेटवर्क और इस गतिविधि से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

असम-मिजोरम सीमा पर 18 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

सिलचर (हिंस)। असम-मिजोरम सीमा पर सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 18 करोड़ रुपए मूल्य की याबा टैबलेट जब्त की है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की गुप्त सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बीती रात असम-मिजोरम सीमा पर नाका जांच अभियान चलाया। इस दौरान एक संदिग्ध वाहन (एएस12यू7746) को रोककर उसकी तलाशी ली गई। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के बीच वाहन की जांच करने पर 60 हजार संदिग्ध याबा टैबलेट और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामद सामग्री को तत्काल जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि डीडीके किट से जांच करने पर बरामद टैबलेट में मेथामफेटामाइन होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने वाहन चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के जाओलेन कुम्बीपुखरू गांव निवासी नगामलेन (44) के रूप में की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, जब्त मादक पदार्थों की अंतर्राष्ट्रीय काले बाजार में अनुमानित कीमत करीब 18 करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

त्रिपुरा में अवैध अप्रवासन के मुद्दे पर टिपरा मोथा के विधायक ने अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की

अगरतला। टिपरा मोथा पार्टी के विधायक रंजीत देबबर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर त्रिपुरा में अवैध अप्रवासन के मुद्दे को हल करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, जिसमें राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) का कार्यान्वयन भी शामिल है। अमित शाह को लिखे पत्र में देबबर्मा ने अवैध अप्रवासन को देश की आंतरिक सुरक्षा और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से त्रिपुरा की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से प्रवेश करने वाले अवैध अप्रवासियों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कमजोर प्रशासन और बेईमान राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मदद का फायदा उठाते हुए अवैध विदेशी राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। टिपरा मोथा पार्टी के विधायक ने दावा किया कि त्रिपुरा में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने के बाद अधिकांश अवैध प्रवासी कई राज्यों में जा रहे हैं और वहां अशांति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, कुछ अवैध प्रवासी अपनी आजीविका के लिए काम करते हैं, लेकिन कुछ

आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं। देबबर्मा ने आगे दावा किया कि अवैध घुसपैठ सीमावर्ती राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल रही है और बेरोजगारी, भूमि संबंधी समस्याओं और सीमा पार अपराधों में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि पूर्वोत्तर राज्य में किसी भी सरकारी तंत्र ने अवैध प्रवासियों के इतने संवेदनशील मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की है। मैंने केंद्र और राज्य सरकार को घुसपैठ रोकने के लिए सीमावर्ती राज्य में इनर लाइन परमिट लागू करने के लिए लिखा है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने के केंद्र के फैसले का भी स्वागत किया और इसे *कानून व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक समयोचित कदम* बताया। विधायक ने 5 जून को राज्य के प्रस्तावित दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री से मिलने का समय भी मांगा है। देबबर्मा ने आगे कहा कि कृपया मुझे 5 जून को अगरतला में एक विशिष्ट समय दें ताकि मैं अवैध अप्रवासियों के इस गंभीर मुद्दे पर प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ मौखिक रूप से अपनी बात रख सकूं, जिससे सीमा सुरक्षा के लिए राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, इनर लाइन परमिट, मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन और नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 को लागू किया जा सके। यह उल्लेख किया जा सकता है कि अमित शाह भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के व्यापक बहु-राज्यीय दौरे के हिस्से के रूप में त्रिपुरा का दौरा करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना है।

कामरूप जिले में 1989 के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम की निगरानी समिति की बैठक संपन्न

कामरूप, अमीनगांव। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता और निगरानी समिति (डीएनवी एंड एमसी) की एक समीक्षा बैठक आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में बोको-छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के विधायक राजू मेष, पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हिमांशु शेखर वैश्य और कामरूप के जिला आयुक्त देब कुमार मिश्र उपस्थित थे। एनआईडीए-1 और आरआईडीएफ के प्रथम एवं द्वितीय चरण के कार्यों की प्रगति आदि महत्वपूर्ण विषयों की अग्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में दोनों विधायकों ने चल रहे सभी कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सभी योजनाओं और पहलों को सुचारू रूप से लागू करने तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को चर्चा किए गए विषयों पर सक्रियता से काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकारी योजनाओं और सेवाओं के प्रति जनता में अधिक जागरूकता पैदा करने पर विशेष बल दिया। बैठक में कामरूप की अतिरिक्त जिला आयुक्त गीताश्री लाचित, जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य, सभी खंड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी और कामरूप जिले के अंतर्गत विधायकों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गुवाहाटी के लोकभवन के समीप युवक का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के लोकभवन के समीप एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव जाईका के पानी के टैंक से बरामद किया गया। मृत युवक की पहचान कामेश नामक युवक के रूप में की गई है। बताया गया है कि युवक जाईका में कार्यरत था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कोकराझार : अवैध रूप से साल के पेड़ काटने के आरोप में बीपीएफ नेता गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विलेज काउंसिल डेवलपमेंट कमिटी के अध्यक्ष और बीपीएफ (बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट) के केंद्रीय सांगाठानिक सचिव अबुल शेख को गिरफ्तार किया है। आरोपी अबुल शेख को बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के कार्यकारी सदस्य मुनमुन ब्रह्मा का करीबी माना जाता है। पुलिस के अनुसार, अबुल शेख पर पर्वतझोरा अनुमंडल के महामाया वन क्षेत्र में बेशकीमती साल के पेड़ों की अवैध कटाई में संलिप्त होने का गंभीर आरोप है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार रात उसे बगरीबारी से गिरफ्तार किया। शुक्रवार दोपहर उसे कोकराझाड़ सदर थाने लाया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि अबुल शेख न केवल लकड़ी की तस्करी, बल्कि पहाड़ियों से अवैध रूप से लाल मिट्टी खोदने और उसकी तस्करी के रैकेट में भी शामिल रहा है। शुक्रवार शाम को पुलिस ने आरोपी का कोकराझाड़ के आरएनबी अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सा जांच के बाद उसे कोकराझाड़ की स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस आगे की पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग कर सकती है। इस गिरफ्तारी के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है।

कामरूप में जनगणना 27 के पहले चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कामरूप, अमीनगांव। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना से संबंधित एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पिछले 27 मई से गुवाहाटी बायोटेक पार्क के सभागार में तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया है, जो आगामी 30 मई को समाप्त होगा। आगामी जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न करने के उद्देश्य से कामरूप जिला जनगणना कार्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त विक्रम छेत्री, मोनिका बरगोहाईं, रंगिया की सह-जिला आयुक्त मृदुस्मिता बोरा, बोको-छयगांव के सह-जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज, पलाशबाड़ी के सह-जिला आयुक्त भास्करज्योति कलिता के साथ-साथ एनआईसी के जिला सूचना अधिकारी मृदुल डेका और जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में मकान सूचीकरण और जनगणना कार्य, डेटा संग्रह के तरीके, डिजिटल गणना प्रणाली और जनगणना 2027 के पहले चरण को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आवश्यक समन्वय व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की जनगणना का कार्य आगामी 17 अगस्त से 15 सितंबर तक संपन्न होगा। दूसरी ओर, जनसंख्या गणना का कार्य 2027 के फरवरी महीने से शुरू होगा। इस बार की जनगणना की एक विशेष विशेषता यह है कि देश में पहली बार डिजिटल पद्धति से जनगणना आयोजित की जाएगी। स्मार्टफोन और सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाएगा और परिवार वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी स्व-गणना कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि शनिवार को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन होगा। अंतिम दिन जनगणना 2027 के एचएलओ कार्य की कार्यान्वयन रणनीति और व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

जुबीन गर्ग हत्याकांड : हाईकोर्ट से श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पुन: खारिज

गुवाहाटी (हिंस)। बहुचर्चित जुबीन गर्ग हत्याकांड के मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत को एक बार फिर गौहाटी उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली। न्यायमूर्ति मिताली ठाकुरिया की अदालत ने शुक्रवार को महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह दूसरी बार है जब उच्च न्यायालय ने श्यामकानु महंत की जमानत अर्जी नामंजूर की है। मामले की तीसरी सुनवाई पर पूरे असम की नजरें टिकी हुई थीं। इससे पहले 22 मई को हुई सुनवाई में बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रण बोरा ने अदालत में दलील दी थी कि जुबीन की मौत एक दुर्घटना का परिणाम थी, न कि पूर्व नियोजित हत्या। इसी आधार पर आरोपी की जमानत की मांग की गई थी। हालांकि, शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत का कड़ा विरोध किया और अदालत के समक्ष अपने पक्ष में विस्तृत तर्क पेश किए। सूत्रों के अनुसार, मामले की सुनवाई के दौरान असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया भी अदालत में उपस्थित रहे। जुबीन गर्ग हत्याकांड को लेकर राज्यभर में लगातार चर्चा बनी हुई है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद मामले को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

वित्तवर्ष 2025-26 में असम में हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस बिजनेस में साल-दर-साल 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

गुवाहाटी। पॉलिसीबाजार की पीओएसपी शाखा, पीबीपार्टनर्स ने असम में कंपनी के तेज विस्तार और मजबूत प्रदर्शन के बारे में बताने के लिए गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। असम पीबीपार्टनर्स के हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस बिजनेस के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसका कारण यहां पर इंश्योरेंस की बढ़ती जागरुकता, पार्टनर्स का बढ़ता सहयोग और सुरक्षा प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग है। इस प्रेस कांफ्रेंस को नीरज अधाना, नेशनल सेल्स हेड-लाईफ एंड हैल्थ, पीबीपार्टनर्स ने संबोधित किया। उन्होंने इस क्षेत्र में कंपनी के विकास, पार्टनर्स के लिए की गई पहलों और राज्य में इंश्योरेंस की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। असम में पीबीपार्टनर्स के हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस बिजनेस ने वित्तवर्ष 2025-26 में 35 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। इससे क्षेत्र में कंपनी पर ग्राहकों का बढ़ता विश्वास और पार्टनर्स का गहरा सहयोग प्रदर्शित होता है। कंपनी असम में अपने 1500 हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस पार्टनर्स की मदद से 598 में से 562 पिनकोड्स तक अपनी सेवाएं पहुंचाती है। पूरे देश में कंपनी के पास 4.5 लाख से अधिक इंश्योरेंस पार्टनर्स का नेटवर्क है। पीबीपार्टनर्स का लक्ष्य वित्तवर्ष 2026-27 में अपने पार्टनर नेटवर्क को बढ़ाकर 4,000 तक ले जाना तथा अपनी पहुंच में जबरदस्त वृद्धि करना है। असम में बंगाईगांव विकास के केंद्र के रूप में उभरा है। पार्टनर एक्टिविटी और बिजनेस जनरेशन में यह सबसे बेहतर परफॉर्म करने वाला बाजार है। पीबीपार्टनर्स के नेशनल सेल्स हेड, लाईफ एवं हैल्थ, नीरज अधाना ने कहा कि असम में हमारी वृद्धि इंश्योरेंस वितरण व्यवसाय में मौजूद अवसरों और वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती जागरुकता प्रदर्शित करती है।

धुबड़ी में मनाई गई ईद-उल-जुहा का पर्व

धुबड़ी (विभास)। पूरे विश्व सहित राज्य के साथ-साथ धुबड़ी जिले में भी कल ईद -उल- अजहा का त्यौहार धूमधाम और बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। इससे पहले सुबह धुबड़ी शहर के 11 नंबर वार्ड में स्थित ईदगाह मैदान में हजारों की संख्या में इस्लाम धर्म के लोगों ने नमाज अदा की। इसके अलावा जिले के चंदाखोला टोल गेट आंचल के पास गांव में *आनंद मेला* आयोजन की शुरुआत की गई, जो यह मेल 27 मई से 11 जून 2026 तक चलेगा। मेला में देश के अन्य राज्य के साथ-साथ राज्य से भी दुकानदार आने की संभावना हैं। लोगों के अनुसार माना जाता है कि यह मेल धुबड़ी शहर के अशोका (चैत महीना का अष्टमी मेला) से भी विशाल बड़ा है। ईद के अवसर पर लोगों का भीड़ का आगमन देखा गया।

एनटीपीसी बंगाईगांव को मिली दोहरी राष्ट्रीय उपलब्धि, सुरक्षा और सीएसआर क्षेत्र में मिला सम्मान

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने परिचालन उत्कृष्टता, कार्यस्थल सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं। यह सम्मान संस्थान के सतत प्रयासों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है। संस्थान को इंटरनेशनल बिजनेस कांफ्रेंस द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड 2026 के *गोल्ड कैटेगरी* से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया है। एनटीपीसी बंगाईगांव की ओर से यह सम्मान एजीएम (सुरक्षा) राजीव रंजन ने ग्रहण किया। अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका को और मजबूत करते हुए, एनटीपीसी बंगाईगांव को *स्वास्थ्य सेवा संवर्धन (ग्रामीण)* श्रेणी में *12वां ग्रीनटेक सीएसआर पुरस्कार 2026* प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और सामुदायिक कल्याण के लिए किए गए सराहनीय कार्यों को मान्यता देता है। यह सम्मान सीएसआर विभाग की कार्यकारी सुश्री स्मृति दास ने प्राप्त किया। पुरस्कार प्राप्त करने के

बाद, इन्हें एनटीपीसी बंगाईगांव के परियोजना प्रमुख अर्नब मैत्रा को सौंपा गया। श्री मैत्रा ने सुरक्षा और सीएसआर टीमों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे कर्मचारियों और हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सभी से भविष्य में भी सुरक्षा मानकों, पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्टता के साथ काम करने का आग्रह किया।

संपादकीय

संवैधानिक है 'सर'

सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को पूरी तरह वैध और संवैधानिक करार दिया है। इसे स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी चुनाव और शुद्ध, साफ मतदाता सूची के संदर्भ में चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार भी माना है। संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21(3) का किसी भी तरह उल्लंघन स्वीकार नहीं किया है। 'वोट चोरी' और 'नागरिकता छीन लेने' सरीखे विपक्ष के आरोपों और याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। न्यायिक पीठ का मानना है कि मतदाता सूची से नाम कटने का अर्थ यह नहीं है कि आप भारत के नागरिक नहीं हैं। नागरिकता का अंतिम फैसला सक्षम अथॉरिटी (केंद्रीय गृह मंत्रालय) लेगी। अलबत्ता आयोग नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है, ताकि पात्र मतदाता तय किया जा सके। नागरिकता का विचाराधीन निर्णय आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों तक ले लिया जाना चाहिए। सारांश यह है कि एसआईआर (सर) संवैधानिक है और आगे भी जारी रहेगा। सर्वोच्च अदालत ने किसी भी प्रकार की 'रोक' से साफ इंकार कर दिया। अधिकांश याचिकाएं बिहार के संदर्भ में थीं, लिहाजा 'सर' के तहत जिन 7.2 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं, उन पर सर्वोच्च अदालत ने कुछ नहीं कहा। सवाल मौजू है कि क्या वे लोग विदेशी नागरिक या घुसपैठिए हैं? क्या उनके नाम न्यायिक समीक्षा के चक्रव्यूह में फंस कर रह जाएंगे? आयोग ऐसे लोगों का अधिकृत आंकड़ा ही दे दे, बेशक व्यक्ति की पहचान न बताए। यदि इन नामों में से अधिकांश भारत के नागरिक हैं, तो वे मतदाता क्यों नहीं हैं? बुनियादी संवैधानिक व्यवस्था यही है कि जो पात्र नागरिक है, वह मतदाता भी है, लेकिन 'सर' की प्रक्रिया और नीयत ने इस व्यवस्था को ही सवालिया और संदेहास्पद बना दिया है। कुछ उदाहरण गौरतलब हैं। एक महिला भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के तहत एक विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक थी और लंबी नौकरी के बाद वहीं से सेवानिवृत्त हुई। उन्हें नियमित पेंशन भी मिलती है। चुनाव आयोग के छुटभैयों ने उनके वोटर होने पर ही सवाल खड़े कर दिए। उनसे मतदाता सूची में उनके पिता के नाम का ब्यौरा मांगा गया, जबकि उनकी मृत्यु को कई साल बीत चुके हैं। एक वयस्क, भारत सरकार में प्रथम श्रेणी अधिकारी, सेवामुक्त और पेंशनभोगी-क्या ये आधार एक मतदाता होने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान कुछ अधिकारियों के चेहरे सामने आए। वे राज्य सरकार के कर्मचारी थे, नियमित वेतन पाते रहे थे, चुनाव में ड्यूटी कर रहे थे, लेकिन 'सर' में उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। चुनाव आयोग की संवैधानिकता, 'सर' की वैधता और लोकतंत्र के साथ इससे भद्दा और अवैध मजाक नहीं किया जा सकता। सवाल 'तार्किक विसंगति' का है। आयोग 14 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में 'सर' का अभियान समाप्त कर चुका है। 19 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में भी अभी बाकी है। वहां जून से अभियान शुरू होने वाला है। अभी पांच राज्यों में चुनाव सम्पन्न हुए हैं, लेकिन 'तार्किक विसंगति' की व्यवस्था बंगाल में ही क्यों लागू की गई? वहां जिन 27 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, उनमें से सिर्फ 6000 को ट्रिब्यूनल से न्याय मिला है। यदि यही गति रही, इतना ही वक्त लगता रहा, तो न्यायिक समीक्षा में 25 साल से अधिक का समय लग सकता है! हम न जाने किस योनि में होंगे? संविधान के मौलिक अधिकार 'मताधिकार' का क्या होगा? लोगों से पिता का ही नहीं, दादा का भी ब्यौरा पूछा और मांगा जा रहा है। क्या इससे पहले जो 'सर' अभियान चलाए गए थे, उनमें ऐसे ब्यौरे और दस्तावेज मांगे जा रहे थे? जिसने पहले कई बार वोट दिया है और वह साक्षात रूप में आयोग के सामने मौजूद है, उसका पासपोर्ट बना हुआ है। उस भारतीय को मतदाता होने से कौन और कैसे रोक सकता है? ऐसा महसूस होने लगा है कि मतदाता सरकार को नहीं, बल्कि सरकार मतदाताओं को चुनेगी और फिर इसी तर्ज पर चुनाव होंगे! क्या आपको भारत में ऐसा लोकतंत्र स्वीकार है? सभी पक्षों को सुनकर ही कोई फैसला होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21(3) का किसी भी तरह उल्लंघन स्वीकार नहीं किया है। 'वोट चोरी' और 'नागरिकता छीन लेने' सरीखे विपक्ष के आरोपों और याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। न्यायिक पीठ का मानना है कि मतदाता सूची से नाम कटने का अर्थ यह नहीं है कि आप भारत के नागरिक नहीं हैं। नागरिकता का अंतिम फैसला सक्षम अथॉरिटी (केंद्रीय गृह मंत्रालय) लेगी। अलबत्ता आयोग नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है, ताकि पात्र मतदाता तय किया जा सके। नागरिकता का विचाराधीन निर्णय आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों तक ले लिया जाना चाहिए। सारांश यह है कि एसआईआर (सर) संवैधानिक है और आगे भी जारी रहेगा। सर्वोच्च अदालत ने किसी भी प्रकार की 'रोक' से साफ इंकार कर दिया। अधिकांश याचिकाएं बिहार के संदर्भ में थीं, लिहाजा 'सर' के तहत जिन 7.2 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं।

हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है

हिन्दी पत्रकारिता की दशा और दिशा

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से

हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है।

'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

देश दुनीया से

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

पेइचिंग के हाईतियन जिले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमजोरी बन सकती है। न्यूज़ एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मज़बूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है। भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा। इस पोर्ट के जरिए

भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है। प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं—पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू-वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेज़ी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए। दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेज़ी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी जिक्र किया—जो सड़क और रेल मार्ग के ज़रिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है—और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया। तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा। भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल ज़मीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेज़ी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाज़ों को 'सिक्स डिग्री चैनल' से होकर गुज़रना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं।

कुछ अलग

'वर्क फ्रॉम होम' के दौर में सुकून की वेला

लो आ गया होम मेकर्स उर्फ़ गृहणियों के लिए मनोवांछित समय। सोना न खरीदने की फुजूल-सी दलील को अनसुना कर वर्क फॉर होम वाले मौसम को सेलिब्रेट करने का समय बस आया ही समझो। वर्क फ्रॉम होम वाली ताजातरीन समझाइश से पता चला कि सरकार केवल बड़े-बड़े वादे ही नहीं करती, कभी-कभी कुछ उपयोगी काम भी कर ले जाती है। इस बार वर्क फ्रॉम होम बहुत सही समय पर आ रहा है। घरेलू कामकाज में गृहणियों का घर के कामों में हाथ बंटाने वाली अधिकतर बाइयां गर्मी की छुट्टियों में सुदूर मायके जाने का ऐलान कर चुकी हैं। बॉलकोनी टू बॉलकोनी हो रही दो सगी सहेलियों जैसी पड़ोसनों की वार्ता, जो एक अन्य बॉलकोनी में गीले कपड़े सुखा रही एक गोपीचंद जासूस टाइप की विदुषी ने बायचांस अपने मोबाइल द्वारा वीडियो के फोमेंट में इंटरसेप्ट कर लिया। पहली ने कहा, कोई दिक्कत न होगी। मीशु के पापा घर से काम करेंगे। मैंने उन्हें समझा दिया कि वर्क फ्रॉम होम मतलब वर्क फॉर होने, हाउ स्वीट। रामू जाएगा तो उसकी जगह लेने तेरा साहब आ जायेगा। वायरल वीडियो पर सबसे पहले कमेंट आया—एक रामू जाता है तो दूसरा आता है। वर्क फॉर होम से सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बचती, बन्दा मल्टी टास्किंग में भी कुशल हो जाता है। एक हाथ की उंगलियों से अपना लैपटॉप ऑपरेट करता, दूसरे हाथ से अपने रोते हुए नौनिहाल को थपकी देता हुआ सुला लेता है। इस प्रकार बाप बच्चे की बॉन्डिंग इतनी प्रगाढ़ हो जाती है कि बच्चे की मम्मी मौका भांप कर घंटे दो घंटे के लिए बच्चे के पास से गायब भी हो जाए तो इसका कोई संज्ञान तक नहीं लेता। वर्क फ्रॉम होम के समय बन्दा घर में मौजूद है तो तमाम गृहणियों के लिए सक्रिय कंटेंट क्रिएटर बनने के सारे रास्ते खुल जाते हैं।

दृष्टि कोण

कुसुम ठाकुर को फैडरेशन कप में स्वर्ण पदक

मई 2026, राष्ट्रीय फैडरेशन कप रांची में हिमाचल प्रदेश की कुसुम ठाकुर ने दो सौ मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। हिमाचल की तरफ से वरिष्ठ राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दो सौ मीटर में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है वहीं पर बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक

विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिकतर हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहली 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंची है। 2025 में हमीरपुर की मनीषा 4400 मीटर रिले में भारतीय टीम की तरफ से दौड़ते हुए दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। प्रिय ठाकुर भी 2025 में 400 मीटर की अंतर विश्वविद्यालय विजेता है। समय समय पर राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर कुछ धाविकाओं व धावकों ने आशा जगाई है। हिमाचल प्रदेश में पहली बार राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के धावक अशोक ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 1994 सुंदरनगर में पहली बार हिमाचल प्रदेश की धरती पर सौ मीटर की दौड़ को 11 सेकेंड से नीचे 10.9 सेकेंड में दौड़ कर तीव्रतम धावक बना था, उसके साथ हमीरपुर के राजेश ठाकुर ने भी 11 सेकेंड से नीचे दौड़ कर रजत पदक जीता था।

आप का नजरीया

बच्चों के पाठ्यक्रम में सुक्खू

किसी राज्य के मुख्यमंत्री की व्यस्तता अगर स्कूलों से गुजरे, तो यह पैगाम सुखद है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार स्कूलों की गश्त में, बच्चों के सवालों से रू-ब-रू हैं। जाहिर है इस कार्यक्रम की शैली में छात्र स्वयं शिक्षा का फीडबैक और अपने सुझाव दे रहे हैं। यह दीगर है कि सरकारों को केवल फैसले लेने की आदत होती है, लेकिन यहां बच्चे बना रहे हैं अपना पाठ्यक्रम। अगर नेरवा के बच्चे विदेशी भाषाएं सीखना चाहते हैं, तो 'ग्लोबल आइडेंटिटी' के बीज हिमाचल के सरकारी स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। जो आई टी पढ़ रहे हैं, वे बच्चे अगर जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मांग रहे हैं, तो परिदृश्य में पीढ़ी की महत्त्वाकांक्षा अगले सफर पर निकली है। जाहिर है वर्तमान सरकार स्कूल की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति और परीक्षा की परिणति बदलना चाहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगातार सुधार की एक दृष्टि विकसित हुई है। अनावश्यक स्कूल चिन्हित हुए तो इसलिए कि वहां औचित्यहीनता के सबूत मिले। भविष्य के स्कूल की जानकारी केवल सरकारी ढांचा ही नहीं दे सकता, इसलिए वातावरण में छात्रों-अभिभावकों की सहभागिता परखी जा रही है। नेरवा स्कूल को खुद सरकार से कहने की छूट मिल रही है, तो बच्चों के प्रश्न नन्हे नहीं हैं। वह अगर विधायकों के शैक्षणिक स्तर में उत्थान चाहते हैं, तो यह मौलिक प्रश्न है। परीक्षाएं केवल सरकारी नौकरी तक पहुंचने का जरिया क्यों और क्यों नहीं चुनाव लडने की शर्तों में कुछ आधारभूत शैक्षणिक स्तर का उल्लेख नहीं। बच्चों को कहने की छूट मिलेगी तो सवाल राजनीतिक अवतार से भी होंगे। नेरवा स्कूल के प्रांगण में बच्चे मौलिकता और स्वतंत्रता से इतने प्रश्न पूछने में सफल रहे, जितने अब मीडिया भी नहीं पूछता। राजनीति अपने व्यवहार में पत्रकारिता को अखाड़े के रूप में देखती है, लेकिन यहां छात्र समुदाय को कहने का भरपूर मौका मिला तो सवाल सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और स्थिति से आगे निकल कर सडकों पर हो रहे ट्रैफिक जाम तक पहुंच गए। बहरहाल मुख्यमंत्री का स्कूली दौरा छात्रों के आत्मविश्वास की पैरवी कर रहा है। दूसरी ओर यह मुआयना भी हो रहा है कि उनके द्वारा किए गए परिवर्तनों का यथार्थ क्या है। स्कूलों में छात्रों का व्यक्तित्व विकास, हिमाचल के सरोकार, शिक्षा से इतर व्यवहार-सामाजिक शिष्टाचार, जीवन में आगे बढने की प्रेरणा तथा अध्ययन की प्रासंगिकता पर गहन चिंतन के लिए यह जरूरी है कि सरकारी स्कूलों का नजरिया बदले तथा माहौल में ऊर्जा का सृजन हो। सुक्खू सरकार ने शिक्षा के ढांचे में सोच का दायरा और ढांचे में नया सवेरा करते, शिक्षा की प्रासंगिकता को स्वीकार करते हुए गुणवत्ता का एहसास जगाया है। सरकारी ढांचे के स्कूल सीबीएसई के तहत मानदंड स्थापित कर सकते हैं, इस खोज के लक्षण पूरे विभाग को गतिशील बना रहे हैं। जो अध्यापक सामान्य क्लास रूम को छोडक़र सीबीएसई के अनुरूप खुद को प्रमाणित करने की प्रतिस्पर्धा में उतरे हैं, तो कुछ बेहतर ही होगा। इतना ही नहीं स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत भी अगर तीन सौ स्कूलों के स्तर को परिमार्जित करने की मंशा सरकार रखती है, तो निजी स्कूलों को पहली बार चुनौती देने की कक्षा लगी है। बहरहाल शिक्षा के प्रांगण को अनौपचारिक बातचीत से मापा जा रहा है। किसी भी स्कूल, अस्पताल या विभागीय कार्यालयों को संस्थान बनाने के लिए जरूरी है कि वहां के माहौल में विश्वसनीयता, आत्मबल, प्रेरणा, प्रोत्साहन, जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा के सारे गुणा समाहित किए जाएं। जाहिर है मुख्यमंत्री को इसी तरह का सीधा फीडबैक सिस्टम, स्वास्थ्य संस्थानों को लेकर भी करना होगा।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार स्कूलों की गश्त में, बच्चों के सवालों से रू-ब-रू हैं। जाहिर है इस कार्यक्रम की शैली में छात्र स्वयं शिक्षा का फीडबैक और अपने सुझाव दे रहे हैं। यह दीगर है कि सरकारों को केवल फैसले लेने की आदत होती है, लेकिन यहां बच्चे बना रहे हैं अपना पाठ्यक्रम। अगर नेरवा के बच्चे विदेशी भाषाएं सीखना चाहते हैं, तो 'ग्लोबल आइडेंटिटी' के बीज हिमाचल के सरकारी स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। जो आई टी पढ़ रहे हैं, वे बच्चे अगर जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मांग रहे हैं, तो परिदृश्य में पीढ़ी की महत्त्वाकांक्षा अगले सफर पर निकली है। जाहिर है वर्तमान सरकार स्कूल की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति और परीक्षा की परिणति बदलना चाहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगातार सुधार की एक दृष्टि विकसित हुई है। अनावश्यक स्कूल चिन्हित हुए तो इसलिए कि वहां औचित्यहीनता के सबूत मिले। भविष्य के स्कूल की जानकारी केवल सरकारी ढांचा ही नहीं दे सकता, इसलिए वातावरण में छात्रों-अभिभावकों की सहभागिता परखी जा रही है। नेरवा स्कूल को खुद सरकार से कहने की छूट मिल रही है, तो बच्चों के प्रश्न नन्हे नहीं हैं। वह अगर विधायकों के शैक्षणिक स्तर में उत्थान चाहते हैं, तो यह मौलिक प्रश्न है। परीक्षाएं केवल सरकारी नौकरी तक पहुंचने का जरिया क्यों और क्यों नहीं चुनाव लडने की शर्तों में कुछ आधारभूत शैक्षणिक स्तर का उल्लेख नहीं। बच्चों को कहने की छूट मिलेगी तो सवाल राजनीतिक अवतार से भी होंगे। नेरवा स्कूल के प्रांगण में बच्चे मौलिकता और स्वतंत्रता से इतने प्रश्न पूछने में सफल रहे, जितने अब मीडिया भी नहीं पूछता। राजनीति अपने व्यवहार में पत्रकारिता को अखाड़े के रूप में देखती है, लेकिन यहां छात्र समुदाय को कहने का भरपूर मौका मिला तो सवाल सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और स्थिति से आगे निकल कर सडकों पर हो रहे ट्रैफिक जाम तक पहुंच गए।

सेमिनार में दी नए आयकर कानून में बदलाव की जानकारी

जोधपुर (हिंस)। आयकर विभाग की ओर से आज नए आयकर कानून 2025 के नियमों को समझाने के लिए आज पावटा सी रोड पर स्थित आयकर भवन में सेमिनार का आयोजन किया गया। संयुक्त आयकर आयुक्त (रेंज-1) कंचन राम मीना ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य टैक्स देने वाले कारोबारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और आम जनता को नए इनकम टैक्स कानून में हुए बदलावों व उसकी बारीकियों के बारे में जानकारी देना था। सेमिनार में आयकर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। उन्होंने आगंतुकों की शंकाओं का समाधान भी किया। सेमिनार में मुख्य रूप से नए कानून के तहत किए गए बड़े बदलावों पर चर्चा की गई। नए नियमों में असेसमेंट ईयर (निर्धारण वर्ष) और प्रीवियस ईयर (पिछले वर्ष) जैसे उलझाने वाले शब्दों को हमेशा के लिए हटा दिया गया है। अब इनकी जगह सिर्फ टैक्स ईयर (कर वर्ष) का सीधा नियम काम करेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस नए कानून से टैक्सपेयर्स पर पैसों का कोई अतिरिक्त बोझ नहीं बढ़ेगा और न ही कोई नया टैक्स लगाया गया है।

पंजाब : निकाय चुनाव में आआपा को बढ़त, अकाली दल भी मजबूत

देर शाम तक सभी निकायों के परिणाम आने की उम्मीद, बैलेट से हुआ था मतदान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में 8 नगर निगमों, 75 नगर कौंसिलों और 19 नगर पंचायतों के चुनावों के लिए आज सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हो गई। राज्यभर में बनाए गए 115 काउंटिंग सेंटरों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वोटों की गिनती जारी है। हालांकि समाना नगर काउंसिल में मतगणना करीब 35 मिनट की देरी से शुरू हुई। बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने के कारण वोटों की गिनती धीमी गति से चल रही है, जिसके चलते चुनाव परिणाम देर रात तक आने की संभावना जताई जा रही है। सुबह 10 बजे तक आए शुरुआती रुझानों में आम आदमी पार्टी बढ़त बनाए हुए दिखाई दे रही है। अब तक पार्टी 89 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है, जबकि 78 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर निर्दलीय उम्मीदवार बने हुए हैं, जिन्होंने अब तक 23 सीटों पर जीत हासिल की है और 33 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं शिरोमणि अकाली दल के 25 उम्मीदवार जीत चुके हैं और पार्टी 23 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस अब तक 16 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और 25 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। भारतीय जनता पार्टी ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि 11 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी भी एक सीट पर बढ़त बनाए हुए है। चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार निकाय चुनावों में कुल 80 उम्मीदवार निर्विरोध विजेता घोषित किए गए थे। इनमें सबसे अधिक 63 उम्मीदवार आम आदमी पार्टी के हैं। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल के 9, कांग्रेस का 1 और 7 निर्दलीय उम्मीदवार बिना मुकाबले चुनाव जीत चुके हैं। राज्यभर के सभी काउंटिंग सेंटरों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हर सेंटर के 100 मीटर के दायरे में सुरक्षा घेरा बनाया गया है, ताकि किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोका जा सके। केवल पासधारी उम्मीदवारों और उनके अधिकृत काउंटिंग एजेंटों को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई है। स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटरों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जा रही है। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और पूरी व्यवस्था तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में की गई है। संबंधित जिलों के एसएसपी सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी कर रहे हैं। राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने बताया कि एक राउंड में एक वार्ड के वोटों की गिनती पूरी की जाएगी। प्रत्येक काउंटिंग सेंटर पर 10 से 14 टेबल लगाई गई हैं, जहां कर्मचारी लगातार मतगणना में जुटे हुए हैं। इस बार निकाय चुनावों में कुल 7,554 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे।

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को सेशन कोर्ट ने किया बरी, दो पैन कार्ड के मामले में जेल में ही रहेंगे

रामपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर की एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने दो पासपोर्ट मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम बरी हो गए हैं। इसके साथ ही अदालत ने उन्हें जमानत भी दे दी। हालांकि दो पैन कार्ड प्रकरण में सजा होने के कारण अब्दुल्ला आजम जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। वरिष्ठ नेता आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ इन दिनों रामपुर की जेल में बंद हैं। रामपुर की एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने शुक्रवार को अब्दुल्ला आजम की अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की सजा को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने इसी मामले में उनकी जमानत भी मंजूर कर ली है। गौरतलब है कि अब्दुल्ला आजम से जुड़ा यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज हुआ था। भाजपा शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने दो अलग-अलग पासपोर्ट बनवाए थे। इन आरोपों की जांच के बाद पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पांच दिसंबर 2025 को फैसला सुनाते हुए अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें सात साल की कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ बचाव पक्ष की ओर से एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी। वहीं अभियोजन पक्ष ने भी सजा बढ़ाने की मांग करते हुए अपील दायर की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट के न्यायाधीश विजय कुमार ने फैसला सुनाया कि निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाई जाती है और अब्दुल्ला आजम को इस मामले में बरी किया जाता है। अदालत ने उनकी जमानत भी मंजूर कर ली। अब्दुल्ला के अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि निचली अदालत ने सात साल की सजा का आदेश पारित किया था। इसके खिलाफ विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी। अब कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत का फैसला रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय पर पूरा भरोसा है और आगे भी न्याय मिलने की उम्मीद है। हालांकि दो पैन कार्ड में सात साल की सजा के चलते जेल में होने के कारण वह बाहर नहीं आ सकते।

एससी आयोग ने रवनीत सिंह बिट्टू के विवादित बयान पर संगरूर के एसएसपी से तलब की रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में सू-मोटो नोटिस लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), संगरूर से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से आयोग के ध्यान में यह मामला आया है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने धूरी दौरे के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और वीडियो लिंक के आधार पर मामले का गंभीर नोटिस लिया है। इस संबंध में एसपी हेडक्वार्टर, संगरूर के माध्यम से जांच रिपोर्ट 1 जून को सुबह 9 बजे तक आयोग के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकार के मंत्रियों, सांसदों एवं विधायकों की संपत्तियों की हो जांच : कांग्रेस

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार के मंत्रियों, सांसदों एवं विधायकों की संपत्तियों की जांच कराए जाने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। अगर साहस है तो भाजपा अपने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की संपत्ति की जांच कराये। इससे यह पता चलेगा कि पिछले 9 सालों में इस प्रदेश में किस प्रकार और कितनी लूट हुई है। डॉ. राय ने कहा कि प्रदेशभर में जहां कहीं भी अपराधिक या दु:खद घटना होती है तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों का कुशलक्षेम व घटना की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त करने

और पीड़ितों की हरसंभव मदद करने के उद्देश्य से पहुंच जाते हैं। डॉ. राय ने कहा कि विगत दिनों जनपद महोबा में अपराधियों ने एक दलित छात्रा का अपहरण कर 16 दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा और उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया बल्कि उसके साथ नरभक्षीय व्यवहार भी किया गया। इतनी बड़ी अमानवीय घटना होने के बाद भी सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़िता के घर तक नहीं पहुंचा। किंतु जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पीड़ित का दु:ख साझा करने उसके घर जा रहे थे तो प्रशासन ने उन्हें जबरिया रोकने की हरसंभव कोशिश की गई मगर वह किसी तरह पीड़िता के घर पहुंचे और इस अमानवीय घटना के विरोध में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। जिससे भाजपा सरकार पूरी तरह से बौखला गई और न सिर्फ एआई जेनरेटेड एक ऐसा वीडियो बनाया और प्रचारित किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री के विरुद्ध अंससदीय भाषा का प्रयोग किया है और इसी पेशबंदी में फर्जी मुकदमा भी दर्ज करा दिया गया। डॉ. राय ने कहा कि अभी दो दिन पूर्व ही आगरा नगर निगम ने प्राइवेट बिजली कंपनी टोरेंट का 430 करोड़ रुपए माफ किए हैं, इसके पहले हजारों करोड़ रुपए पूंजीपतियों के माफ कर उनसे भाजपा ने वसूली की है। कांग्रेस पार्टी बहुत पहले से ही यह सिद्ध कर चुकी है कि भाजपा सरकार काम लो-चंदा दो तथा ईडी, आयकर, सीबीआई के छापों से वसूली की नीति बना चुकी है, इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का ही परिणाम है कि हमीरपुर में बेतवा नदी पर 90 करोड़ की लागत से 700 मीटर लम्बे निर्माणाधीन ब्रिज का हिस्सा आंधी का झोंक भी न सह सका और भरभराकर गिर गया। इस हादसे में बेगुनाह छह श्रमिकों की दु:खद मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल होकर जीवन-मृत्यु से संघर्ष कर रहे हैं।

जनवादी महिला समिति ने गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल दिए जाने पर जताई आपत्ति

हिसार (हिंस)। जनवादी महिला समिति की राज्य कमेटी ने बलात्कार एवं हत्या के जघन्य अपराध में सजायाफ्ता गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। समिति ने उनकी पैरोल को रद्द करते हुए उन्हें वापस जेल भेजने की मांग की है। जनवादी महिला समिति हिसार की प्रधान बिद्या व सचिव बबली लांबा ने शुक्रवार को कहा कि बलात्कार और यौन शोषण जैसे जघन्य अपराधों के दोषी गुरमीत राम रहीम को अब तक कुल 16 बार पैरोल मिल चुकी है। हाल ही में उन्हें 30 दिनों की पैरोल दी गई है। अब तक गुरमीत राम रहीम 20 साल के सजा के दौरान 435 दिन से अधिक दिन जेल से बाहर रहा है। एक गंभीर यौन अपराधी का बार-बार जेल से बाहर आना पीड़ितों और न्यायपालिका का सीधा उपहास है। भाजपा सरकार एक तरफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे लगाती है, दूसरी तरफ बलात्कार और हत्या के मामले में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम जैसे अपराधी को बार-बार पैरोल दे रही है। अक्सर चुनावों के आसपास गुरमीत राम रहीम को पैरोल दी जाती है। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि भाजपा सरकार चुनावी लाभ के लिए बाबा को छोड़ देती है। जनवादी महिला समिति ने कहा कि भाजपा सरकार तुष्टीकरण की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि बलात्कार जैसे नृशंसतम अपराध के मामलों में सजा काट रहे ऐसे अपराधी को छोड़ा जाना, महिलाओं को असुरक्षा की गहरी खाई में धकेलने जैसा है। इससे उत्पीड़ित महिलाएं हतोत्साहित होती हैं और अपराधियों के हौंसले बुलंद होते हैं।

चार राज्यों में एनआईए की कार्रवाई, किशनगंज से एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

किशनगंज (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को देश के चार राज्यों में एक साथ कार्रवाई करते हुए 12 ठिकानों पर छापेमारी की। इसी अभियान के तहत बिहार के किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड स्थित मिर्जापुर गांव में भी टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे एनआईए, एनएसजी तथा अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम जनता हाट निवासी मनोज रविदास (पिता-लखन रविदास) के घर पहुंची। टीम ने लगभग आठ घंटे तक घर की तलाशी ली और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। इसके एनआईए के अधिकारी बाद मनोज रविदास को अपने ले गए। बताया जा रहा है कि उससे किशनगंज सर्किट हाउस में पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मनोज पिछले करीब दो वर्षों से जनता हाट में चप्पल-जूते की दुकान चला रहा था। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। परिवार के सदस्य काफी घबराए हुए नजर आए, जबकि घर के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती बनी रही। मीडिया कर्मियों को भी मौके पर जाने की अनुमति नहीं दी गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई सीमा पार से संचालित उस कथित आतंकी साजिश से जुड़ी है, जिसमें ड्रोन के जरिए भारत में हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पहुंचाने की योजना शामिल थी। एजेंसी को आशंका है कि इस नेटवर्क के तार देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय मॉड्यूल से जुड़े हो सकते हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पांच, महाराष्ट्र में तीन, राजस्थान में दो और बिहार में दो स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। इस दौरान कई डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई है, जिनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है। वहीं, जांच एजेंसी पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े फंडिंग नेटवर्क की भी जांच कर रही है। एनआईए की इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में जुट गई हैं।

आरपीएससी भर्ती में फर्जी डिग्री रैकेट मामले में मेवाड़ यूनिवर्सिटी का कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) की प्राध्यापक-हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ़) के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपित को कोर्ट में पेश कर 30 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एसओजी को पूछताछ में फर्जी डिग्री गिरोह से जुड़े कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि प्राध्यापक-हिंदी भर्ती परीक्षा-2022 में पात्रता जांच के दौरान अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी ने आयोग में मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार से जारी एमए हिंदी की डिग्री प्रस्तुत की थी। दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आया कि यह डिग्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी ही नहीं की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि अभ्यर्थी ने झूठा शपथ पत्र पेश कर फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्ति हासिल करने का प्रयास किया था। इस संबंध में अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच एसओजी

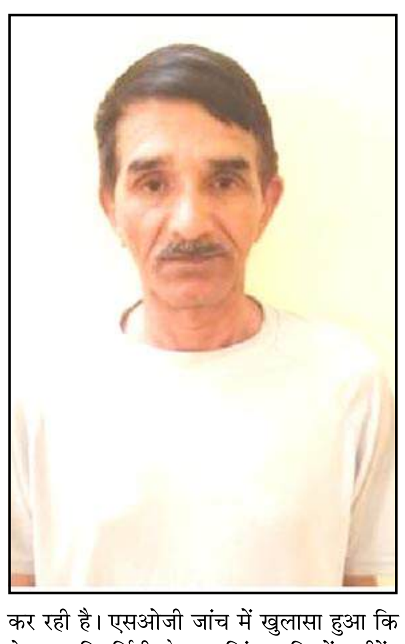

कर रही है। एसओजी जांच में खुलासा हुआ कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेंद्र सिंह ने यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट कौशल किशोर चंद्रुल, ध्वज कीर्ति शर्मा, सुशील कुमार शर्मा, राजेश सिंह राणावत और अन्य लोगों के साथ मिलकर पूरी साजिश रची। आरोपी ने अपनी ईमेल आईडी से दिल्ली स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस को मेल भेजकर ब्रह्मा कुमारी के नाम से एमए (हिंदी) की फर्जी डिग्री छपवाई। बाद में यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के हस्ताक्षर करवाकर यह डिग्री अभ्यर्थी को उपलब्ध कराई गई। एसओजी के अनुसार आरोपित बीरेंद्र सिंह के खिलाफ पहले भी अजमेर के सिविल लाइंस थाने में फर्जी डिग्री जारी करने में सहयोग करने का मामला दर्ज हो चुका है, जिसमें उसे गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा गुजरात के आनंद थाने में भी इसी प्रकार का मामला दर्ज है, जहां भी उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। एसओजी ने बताया कि इस फर्जी डिग्री प्रकरण में अब तक मुख्य अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी सहित कुल 12 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपित बीरेंद्र सिंह मूल रूप से दोगाथ उत्तर प्रदेश का निवासी है और वर्तमान में गाजियाबाद में रह रहा था। एसओजी अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और फर्जी डिग्री नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी है।

राजा वडिंग केस में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने 1 जुलाई तक मांगी पुलिस रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से संबंधित मामले में पंजाब पुलिस से एक जुलाई तक एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि आयोग ने कांग्रेस पार्टी के प्रधान एवं सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का चुनाव प्रचार के दौरान दलित समुदाय के प्रति जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल वाले बयान का स्वत: संज्ञान लिया था। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई के दौरान आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयोग के समक्ष पेश हुए। उन्होंने आयोग को अवगत कराया कि संबंधित ऑडियो क्लिप की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा इस संबंध में तकनीकी तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है। पंजाब पुलिस ने इस मामले से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए मेटा कंपनी को भी पत्र लिखा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मेटा से आवश्यक रिपोर्ट लगभग 30 दिनों के भीतर प्राप्त होने की संभावना है।

पुलिस पर गाड़ी को जानबूझकर टक्कर मारने का आरोप, दो की मौत

जोधपुर (हिंस)। जसोल माता के दर्शन कर लौट रहे जोधपुर के 5 युवाओं का आरोप है कि 24 मई को बालोतरा जिले के कल्याणपुर के पास पुलिस की गाड़ी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी थी। इससे युवक घायल हो गए, इनमें से घायल दो युवक वैभव भाटी व विजय सिंह चारण की गुरुवार रात को उपचार के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में लोग एमडीएम अस्पताल में जमा हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। घटना की जांच कर रहे बालोतरा जिले के मंडली थानाधिकारी किरण कुमार भी एमडीएम अस्पताल पहुंचे, लेकिन वे इस मामले को लेकर सवालों से बचते नजर आए। उन्होंने बताया कि परिजन का आरोप है कि पुलिस वाहन ने टक्कर मारी है, इसकी जांच कर रहे हैं।

बिहार भाजपा ने की प्रदेश पदाधिकारियों की नई सूची जारी

14 उपाध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां

पटना (हिंस)। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए नए प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की है। पार्टी ने 14 प्रदेश उपाध्यक्ष, 5 प्रदेश महामंत्री, 14 प्रदेश मंत्री, एक कोषाध्यक्ष, दो सह-कोषाध्यक्ष, एक प्रदेश मुख्यालय प्रभारी और एक कार्यालय मंत्री की नियुक्ति की है। यह सूची भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा जारी की गई। संगठनात्मक पुनर्गठन को आगामी राजनीतिक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्षों में हरिभूषण ठाकुर बचौल, पूर्व विधायक राकेश कुमार, संतोष पाठक, मनोज कुमार सिंह, अनामिका पासवान, शोभा सिंह, पवन जायसवाल (पूर्व विधायक), प्रणव कुमार यादव (पूर्व विधायक), संतोष रंजन राय, नंद प्रसाद चौहान, अनिल ठाकुर, मुकेश शर्मा (औरंगाबाद), शीला कुशवाहा और बलराम मंडल शामिल हैं। प्रदेश महामंत्रियों में सरोज रंजन पटेल, धनराज शर्मा, प्रीति शेखर, नितिन अभिषेक और राजेश झा (उर्फ राजू झा) को जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश मंत्रियों की सूची में सुषमा साहू, जन्मेजय कुमार सिंह, रागिनी रानी, कुमार राघवेंद्र, प्रभाकर मिश्रा, अंजनी निषाद, मनोज चौधरी, मुकेश सिंह कुशवाहा, सीमा झा, सरला रजक, सुनील राम, संजय कुमार (मुन्ना), मुकेश शर्मा (मुजफ्फरपुर) और दिवाकर सिंह शामिल हैं। इसके अलावा त्रिविक्रम नारायण सिंह (विधायक) को प्रदेश कोषाध्यक्ष, राजेश सिन्हा और अंकुर गुप्ता को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अक्षय कुमार को प्रदेश मुख्यालय प्रभारी और विनय केसरी को कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठनात्मक ढांचे में मोर्चा प्रभारियों की भी घोषणा की गई है। जितेंद्र सिंह को युवा मोर्चा, निशा सिंह (विधायक) को महिला मोर्चा, राम सुमिरन सिंह को किसान मोर्चा, प्रमोद चंद्रवंशी को ओबीसी मोर्चा, सुजीत पासवान (विधायक) को अनुसूचित जाति मोर्चा, निरंजन पंजियार थारू को अनुसूचित जनजाति मोर्चा और मो. महबुल हक को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है।

जस शो 2026 में मुख्य अतिथि होंगे डायमंड उद्योग के दिग्गज मावजीभाई पटेल

जयपुर (हिंस)। ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से आयोजित देश के प्रतिष्ठित जेम्स एवं ज्वेलरी व्यापारिक आयोजन *जस शो 2026* इस वर्ष और अधिक भव्य और ऐतिहासिक रूप में आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि विश्व की अग्रणी डायमंड निर्यातक कंपनियों में शामिल किरण जेम्स के चेयरमैन एवं संस्थापक मावजीभाई पटेल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजू मंगोड़ी वाला और जस शो कन्वीनर अशोक माहेश्वरी ने बताया कि मावजीभाई पटेल की कंपनी किरण जेम्स आज दुनिया की प्रमुख पॉलिश्ड डायमंड कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी का वार्षिक डायमंड निर्यात 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक बताया जाता है। साथ ही कंपनी ने 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़कर उद्योग जगत में विकास और विश्वास का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1985 में स्थापित किरण जेम्स का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी रफ डायमंड की प्रोसेसिंग, कटिंग, पॉलिशिंग

और अंतरराष्ट्रीय निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। गुणवत्ता, पारदर्शिता और नैतिक व्यापारिक मूल्यों के कारण कंपनी ने वैश्विक बाजार में मजबूत पहचान बनाई है। एसोसिएशन सचिव अजय गोधा ने कहा कि मावजीभाई पटेल ने भारतीय हीरा उद्योग में बड़े स्तर पर रोजगार सृजन किया है और निर्यात क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए हैं। उनके नेतृत्व में किरण जेम्स ने वैश्विक ग्राहकों के बीच भरोसे और गुणवत्ता के आधार पर विशेष प्रतिष्ठा हासिल की है। उन्होंने बताया कि मावजीभाई पटेल सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) गतिविधियां शिक्षा, स्वास्थ्य, कर्मचारी कल्याण और सामाजिक उत्थान से जुड़ी हुई हैं। विद्यालयों में सहयोग, छात्र सहायता, चिकित्सा सेवाएं और जरूरतमंद वर्गों की मदद जैसे कार्य उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि अरबों डॉलर के कारोबार का नेतृत्व करने के बावजूद मावजीभाई पटेल अपनी सादगी और विनम्रता के लिए उद्योग जगत में विशेष पहचान रखते हैं। जस शो 2026 में उनकी उपस्थिति जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग से जुड़े व्यापारियों, उद्यमियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित होगी।

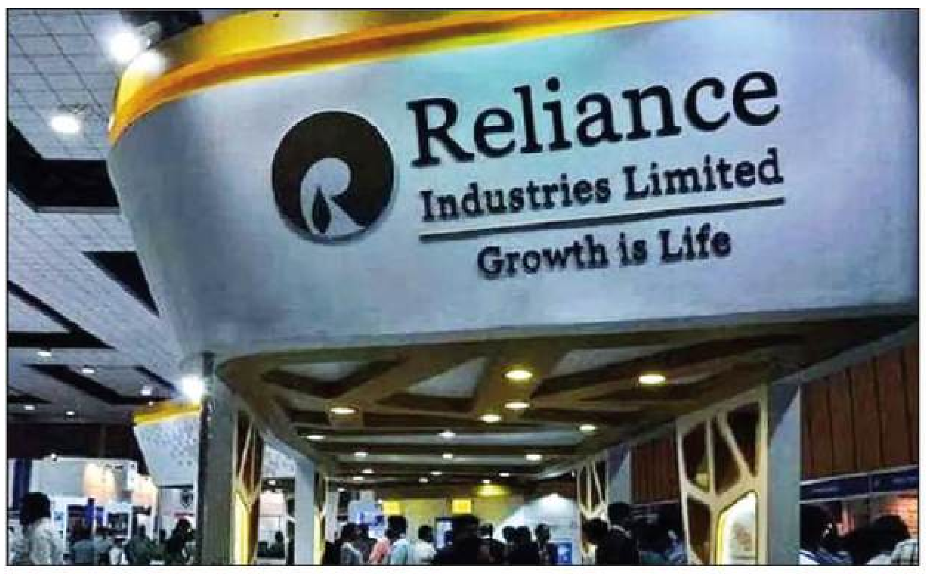

19 जून को आरआईएल की एजीएम: निवेशक क्यों है बेचैन

निवेशक तैयार, टेलीकाम से ग्रीन एनर्जी तक भविष्य की रणनीति पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपनी 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) की घोषणा कर दी है, जो 19 जून को दोपहर 2 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगी।

यह बैठक निवेशकों और बाजार विश्लेषकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां कंपनी अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा, विशेषकर टेलीकाम, रिटेल, न्यू एनर्जी और निवेश योजनाओं से संबंधित बड़े अपडेट्स का अनावरण कर सकती है। चौथी तिमाही वित्त वर्ष 26 के मिश्रित परिणामों के बाद, जिसमें आयल-टू-केमिकल (ओ2सी) सेगमेंट पर दबाव देखा गया, इस एजीएम से कंपनी के अगले ग्रोथ कैटेलिस्ट्स पर स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। कंपनी की यह वार्षिक बैठक शेयरधारकों को महत्वपूर्ण रणनीतिक घोषणाओं, विस्तार योजनाओं और आगामी वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को समझने का अवसर प्रदान करेगी।

वैश्विक एनर्जी संकट के कारण ओ2सी बिजनेस पर दबाव और 5जी स्पेक्ट्रम एसेट्स से बढ़ी फाइनेंस कास्ट के बावजूद, निवेशकों की नजर टेलीकाम व रिटेल सेगमेंट की मजबूत ग्रोथ बनाए रखने और न्यू एनर्जी वर्टिकल में हो रही प्रगति पर रहेगी। विशेषकर, टेलीकाम में 5जी के विस्तार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की भविष्य की योजनाओं, रिटेल में नए अधिग्रहणों और ग्रीन एनर्जी में गीगाफैक्ट्रीज के रोडमैप पर अहम घोषणाएं अपेक्षित हैं। हाल ही में आरआईएल ने मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 13 फीसदी की गिरावट के साथ 16,971 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट प्राफिट दर्ज किया, जिसका मुख्य कारण ओ2सी कारोबार में नरमी थी। हालांकि, आपरेशंस से आय 13 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। पूरे वित्त वर्ष 26 में कंपनी ने 16 फीसदी की वृद्धि के साथ 80,775 करोड़ रुपये का रिकार्ड नेट प्राफिट दर्ज किया। यह मजबूत वार्षिक प्रदर्शन, आगामी एजीएम में नई परियोजनाओं और पूंजी आवंटन पर महत्वपूर्ण अपडेट्स की पृष्ठभूमि तैयार करता है। यह एजीएम वीडियो कान्फ्रेंसिंग और अन्य आडियो-विजुअल माध्यमों से होगी, जिसका लाइव प्रसारण रिलायंस और जियो की वेबसाइटों तथा उनके यूट्यूब चैनलों पर उपलब्ध होगा, जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित होगी। निवेशक कंपनी की अगली बड़ी चालों और दीर्घकालिक विकास पथ पर स्पष्टता का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

150सीसी से 200सीसी सेगमेंट में टीवीएस अपाचे बनीं नंबर-1

नई दिल्ली। टीवीएस अपाचे ने अप्रैल 2026 में मोटरसाइकिल बाजार के 150सीसी से 200सीसी सेगमेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। इस दौरान टीवीएस अपाचे ने कुल 49,390 यूनिट्स बाइक की बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि (45,633 यूनिट्स) की तुलना में 8.23 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्शाती है। यह आंकड़ा इस सेगमेंट में इसकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। बिक्री की इस दौड़ में बजाज पल्सर दूसरे स्थान पर रही, जिसने 20.78 प्रतिशत की शानदार सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 48,190 यूनिट्स बाइक बेचीं। तीसरे नंबर पर हौंडा यूनिकार्न ने अपनी जगह बनाई, जिसकी 39,310 यूनिट्स बिकीं और इसने 51.09 प्रतिशत की प्रभावशाली सालाना वृद्धि दर्ज की। यामाहा एफजेड 15,729 यूनिट्स की बिक्री और 16.67 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ चौथे स्थान पर रही। यामाहा आर15 ने पांचवें स्थान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 84.72 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 9,066 यूनिट्स बाइक बेचीं। इसके बाद यामाहा एक्सएसआर छठे स्थान पर रही, जिसकी 6,914 यूनिट्स बिकीं। सातवें नंबर पर यामाहा एमटी15 रही, जिसने 4.04 प्रतिशत की मामूली सालाना गिरावट के साथ 6,741 यूनिट्स बेचीं। हौंडा एसपी160 3,062 यूनिट्स और 13.48 प्रतिशत की सालाना गिरावट के साथ आठवें स्थान पर रही। नौवें स्थान पर केटीएम 160/200 ने 2,775 यूनिट्स की बिक्री के साथ 40.22 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की।

टाटा टियागो का अपडेटेड माडल होगा लान्च

नई दिल्ली। अपनी एंट्री-लेवल हैचबैक टियागो के अपडेटेड माडल को टाटा मोटर्स 28 मई को लान्च करने जा रही है। यह टाटा के पोर्टफोलियो की सबसे सस्ती हैचबैक होने के बावजूद, अब यह न केवल स्टाइलिश होगी, बल्कि सेगमेंट में कई शानदार और पहले कभी न देखे गए फीचर्स से भी लैस होगी। कंपनी ने अलग-अलग वीडियो टीजर के माध्यम से इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर का खुलासा भी किया है। कंपनी नई टियागो फेसलिफ्ट को पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक तीनों माडल में एक साथ लान्च करेगी। इसका मुकाबला मारुति स्विफ्ट, हुंडई ग्रैंड आई10 निओस, रेनो क्विड और सिट्रोन सी3 जैसी गाड़ियों से होगा। टियागो सीएनजी फेसलिफ्ट का बाहरी डिजाइन काफी हद तक पेट्रोल वैरिएंट जैसा ही होगा, जिसमें पीछे की तरफ विशेष आई-सीएनजी बैजिंग का अंतर दिखेगा। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें पिछले माडल की तरह ही डुअल सिलेंडर सेटअप का इस्तेमाल किया गया है, जिसे टाटा ने 2023 में पेश किया था और इसने सीएनजी वैरिएंट में बूट स्पेस की कमी की समस्या को काफी हद तक हल कर दिया था। डैशबोर्ड को एक बिल्कुल नया, अधिक आधुनिक और साफ-सुथरा डिजाइन दिया गया है, जिसमें प्रीमियम फैब्रिक फिनिश केबिन के माहौल को और भी शानदार बनाती है। इसके टेक पैकेज को भी अपग्रेड किया गया है, जिसमें अब एक नया फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक फ्री-स्टैंडिंग डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डिस्प्ले शामिल है।

फेरारी ने पेश की इलेक्ट्रिक कार लूस, कमाल की है गति

नई दिल्ली। रोम में फेरारी ने अपनी पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार लूस को पेश किया है। कंपनी का यह पहला इलेक्ट्रिक प्रोडक्शन माडल है, जो एक नए व्हीकल आर्किटेक्चर पर आधारित है। लूस एक विशेष इलेक्ट्रिक

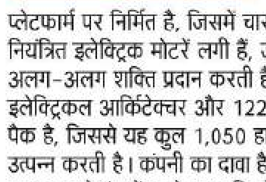

प्लेटफार्म पर निर्मित है, जिसमें चार स्वतंत्र रूप से नियंत्रित इलेक्ट्रिक मोटरें लगी हैं, जो प्रत्येक पहिए को अलग-अलग शक्ति प्रदान करती हैं। इसमें 800 वी का इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर और 122केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक है, जिससे यह कुल 1,050 हार्सपावर की शक्ति उत्पन्न करती है। कंपनी का दावा है कि यह सुपरकार मात्र 2.5 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा और सिर्फ 6.8 सेकंड में 0 से 200 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है। इसकी टाप स्पीड 310 किलोमीटर प्रति घंटा से भी अधिक है, और इसकी अनुमानित रेंज 530 किलोमीटर से ज्यादा है। लूस 350केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जो अनुकूल परिस्थितियों में लगभग 20 मिनट में 70 केडब्ल्यूएच बैटरी चार्ज कर सकती है। फेरारी ने इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के कंपोनेंट्स पर 8 साल की वारंटी और 7 साल का मेंटेनेंस प्रोग्राम भी घोषित किया है।

आटो सेक्टर में मई 2026 में रिकार्ड बिक्री की उम्मीद

शादी-ब्याह के सीजन, नए माडलों और आसान फाइनेंसिंग से मांग को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली

मई 2026 का महीना भारतीय आटोमोबाइल उद्योग के लिए बेहद उत्साहजनक रहने की उम्मीद है। बाजार विश्लेषकों के एक अनुमान के मुताबिक शादी-ब्याह के शुभ मुहूर्त, बाजार में लगातार आ रहे नए आकर्षक माडल और आसान फाइनेंसिंग विकल्पों के चलते आटो सेक्टर में जबरदस्त बिक्री वृद्धि दर्ज की जा सकती है। लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति भी इस उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रिपोर्ट बताती है कि आगामी मई माह में आटोमोबाइल कंपनियों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल सकती है।

हालांकि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव कुछ कंपनियों के निर्यात कारोबार को प्रभावित कर सकता है, लेकिन कुल मिलाकर घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। इसी के दम पर कार, दोपहिया, ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन सभी सेगमेंट में बिक्री में बढ़ोतरी का अनुमान है। इसमें भी यात्री वाहन सेगमेंट मई में आटो उद्योग का सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बनने की उम्मीद है। लोगों के लिए कार खरीदना पहले से आसान हुआ है, वहीं कंपनियां लगातार नए माडल पेश कर रही हैं। बैंकों और एनबीएफसी द्वारा आसान ऋण उपलब्धता भी मांग को बढ़ावा दे रही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की कुल बिक्री सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 56,700 यूनिट तक पहुंच सकती है। मारुति सुजुकी की बिक्री 25 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख यूनिट रहने का अनुमान है, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 15 फीसदी बढ़कर 97,000 यूनिट और हुंडई की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 63,000 यूनिट होने की संभावना है। हालांकि, हुंडई के लिए पश्चिम एशिया का बाजार एक चुनौती पेश कर सकता है, क्योंकि कंपनी के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 40 फीसदी से अधिक है। दोपहिया वाहन कंपनियों के लिए भी मई का महीना अनुकूल रहने की उम्मीद है। शादी के सीजन में ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में बाइक और स्कूटर की मांग तेजी से बढ़ती है। आसान फाइनेंसिंग और बेहतर आय स्तर भी बिक्री को समर्थन दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर की कुल बिक्री 18 फीसदी बढ़कर 5.1 लाख यूनिट, रायल एनफील्ड की बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 1.04 लाख यूनिट, बजाज आटो की 16 फीसदी बढ़कर 4.45 लाख यूनिट और हीरो मोटोकार्प की 12 फीसदी बढ़कर 5.7 लाख यूनिट रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में बढ़ती मांग से निर्यात भी मजबूत रह सकता है, जिससे दोपहिया कंपनियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम में उतार-चढ़ाव, नोएडा-गुरुग्राम में बढ़े दाम, गाजियाबाद में राहत; दिल्ली-मुंबई के भाव स्थिर

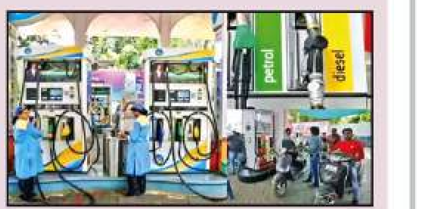

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच तल्खी कुछ नरम होने और संभावित सहमति की उम्मीद से वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों में ब्रेंट क्रूड 93.17 डालर और डब्ल्यूटीआई 88.10 डालर प्रति बैरल पर आ गया है। इस नरमी का असर शुक्रवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों द्वारा जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखा है, जहां कई शहरों में तेल के दाम बदल गए हैं। देश के चार महानगरों में दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। चेन्नई में यह 108.01 रुपये (पेट्रोल) और 99.78 रुपये (डीजल) है, वहीं कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में दाम बदले हैं- नोएडा में पेट्रोल 102.42 रुपये (46 पैसे महंगा) और डीजल 95.86 रुपये (42 पैसे महंगा) हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 101.88 रुपये (22 पैसे सस्ता) और डीजल 95.36 रुपये (22 पैसे सस्ता) हुआ है। हरियाणा के गुरुग्राम में भी पेट्रोल 102.80 रुपये (11 पैसे महंगा) और डीजल 95.47 रुपये (11 पैसे महंगा) दर्ज किया गया है।

एआई की रेस में ओपनएआई से आगे निकला एंथ्रोपिक, 965 अरब डालर की वैल्यूएशन के साथ रचा इतिहास

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अमेरिका के मशहूर एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने एक ट्रिलियन डालर की वैल्यूएशन के करीब पहुंचकर इतिहास रच दिया है। अपने चैटबाट क्लाउड के लिए पहचानी जाने वाली इस कंपनी ने वैल्यूएशन के मामले में अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ओपनएआई को भी पीछे छोड़ दिया है। यह अहम पड़ाव ऐसे समय में आया है जब दोनों ही दिग्गज कंपनियां शेयर बाजार में अपने कदम रखने (स्टाक मार्केट डेब्यूट) की जोरों-शोरों से तैयारी कर रही हैं।

फंडिंग का नया रिकार्ड और बढ़ती वैल्यूएशन - एंथ्रोपिक ने अपने हालिया फंडिंग राउंड में 65 अरब डालर की भारी-भरकम रकम जुटाई है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व अल्टीमीटर कैपिटल, ड्रैगनियर, ग्रीनओक्स और सिकोइया कैपिटल जैसे बड़े निवेशकों ने किया। इस शानदार निवेश के बाद कंपनी की कुल वैल्यूएशन (पोस्ट-मनी) 965 अरब डालर के स्तर पर पहुंच गई है। इस फंडिंग राउंड में एएमपी पीबीसी, बेली गिफोर्ड, ब्लैकस्टोन, ब्रुकफील्ड और डी.ई. शा वेंचर्स जैसे अन्य प्रमुख निवेशकों ने भी हिस्सा लिया, जबकि इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर के रूप में माइक्रोन, सैमसंग और एसके हाइनिक्स भी इस शानदार सूची में शामिल हुए हैं। इसके उलट, अगर ओपनएआई की बात करें तो कंपनी ने इसी साल मार्च में 122 अरब डालर की बड़ी फंडिंग जुटाई थी, जिससे उसकी कुल वैल्यूएशन 852 अरब डालर आंकी गई थी।

मुनाफे और रेवेन्यू में जबरदस्त उछाल - बाजार में क्लाउड एआई की मांग ग्लोबल एंटरप्राइज ग्राहकों के बीच लगातार बढ़ रही है। इसी शानदार मांग के दम पर एंथ्रोपिक का रन-रेट रेवेन्यू इस महीने की शुरुआत में ही 47 अरब डालर के आंकड़े को पार कर गया है। कंपनी को उम्मीद है कि उसका कुल रेवेन्यू 10.9 अरब डालर रहेगा, जो कि पिछली बार के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। सबसे खास बात यह है कि कंपनी को जून तिमाही में अपना पहला आपरेटिंग प्राफिट (परिचालन मुनाफा) दर्ज करने की उम्मीद है, जो किसी भी स्टार्टअप के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। कंपनी के चीफ फाइनेंशियल आफिसर (सीएफओ) कृष्णा राव का कहना है कि दुनिया भर में बढ़ रहे उनके ग्राहकों के लिए क्लाउड लगातार एक जरूरी टूल बनता जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस नई फंडिंग से कंपनी को उस ऐतिहासिक मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी जिसका वे वर्तमान में अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल अपनी रिसर्च को बेहतर बनाने और क्लाउड कोड और को-वर्क जैसे टूल्स को ग्राहकों के लिए और ज्यादा उपयोगी व पावरफुल बनाने में करेगी। कंप्यूटिंग क्षमता और ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार क्लाउड की बढ़ती मांग को देखते हुए एंथ्रोपिक अपनी कंप्यूटिंग क्षमता को बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी ने अमेजन के साथ नई क्षमता के लिए पांच गीगावाट तक का समझौता किया है।

कोल इंडिया कोयले से गैस बनाने पर 60,000 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने कोयले के उपयोग में विविधता लाने और इसे रसायनों व सिंथेटिक ईंधन में बदलने की दिशा में एक बड़ी पहल कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी कोयले से गैस बनाने की तीन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर 50,000 से 60,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश करने की योजना बना रही है। सीआईएल वर्तमान में ऐसी तीन परियोजनाओं पर काम कर रही है। इनमें सबसे प्रमुख ओडिशा के लखनपुर में स्थित है, जिस पर अकेले लगभग 20,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, स्वदेशी तकनीक पर आधारित होने के कारण इस परियोजना की लागत अधिक है, जबकि विदेशी तकनीकें अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती हैं। लखनपुर साइट पर प्रारंभिक कार्य शुरू हो चुका है और आर्डर दिए जा चुके हैं। अन्य दो परियोजनाओं के लिए तकनीकी प्रदाताओं के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इनमें से एक महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बीपीसीएल (डब्ल्यूसीएल के सहयोग से) के साथ और तीसरी पश्चिम बंगाल के बर्दवान में गेल के सहयोग से स्थापित होगी। लखनपुर परियोजना अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करेगी, जबकि अन्य दो सिंथेटिक नैचुरल गैस (एसएनजी) का उत्पादन करेंगी, जो आयातित प्राकृतिक गैस का विकल्प होगी।

सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में शुरुआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं, चेन्नई में सोने की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोना की तरह चांदी भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आग कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में जोरदार कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के एक अस्थाई समझौते के काफी करीब पहुंचने की खबर से ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का रुख बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 50,668.97 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,563.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 242.74 अंक यानी 0.91 प्रतिशत उछल कर 26,917.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 50,695.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,425.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.23 प्रतिशत टूट कर 8,188.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,092.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,083.62 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,949 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,036.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 230.25 अंक 2.81 प्रतिशत उछल कर 8,415.54 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,151.63 अंक यानी 2.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,788.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,619.88 अंक यानी 2.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 66,313 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,214.06 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 265.84 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,272 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.60 प्रतिशत उछल कर 1,578.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

नार्वे शतरंज 2026 : कार्लसन ने की शानदार वापसी गुकेश को हराया ; प्रज्ञानानंद ने कीमर को दी मात

ओस्लो

नार्वे शतरंज 2026 के चौथे दौर में विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर शानदार वापसी की, जबकि भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने विन्सेंट कीमर को पराजित कर देश को बड़ी सफलता दिलाई।

महिला वर्ग में हालांकि भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख को क्रमश: झू जिनेर और अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

सबसे ज्यादा चर्चा कार्लसन और गुकेश के मुकाबले की रही। पिछले संस्करण में गुकेश से हार के बाद कार्लसन के टेबल पर हाथ मारने की घटना काफी चर्चित रही थी। इस बार भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।

टूर्नामेंट की खराब शुरुआत के बाद कार्लसन पर दबाव था। उन्होंने शुरुआती तीन मुकाबलों में से दो गंवाए थे, जिनमें प्रज्ञानानंद के खिलाफ क्लासिकल हार भी शामिल थी। लेकिन चौथे दौर में कार्लसन ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुकेश की अंतिम क्षणों की गलतियों का पूरा फायदा उठाया और मुकाबला जीतकर 4.5 अंक के साथ फिर से खिताबी दौड़ में वापसी कर ली।

दूसरी ओर, प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल मुकाबले में जीत की स्थिति गंवा दी थी, लेकिन आर्मागेडन टाईब्रेक में आक्रामक खेल दिखाते हुए विन्सेंट कीमर को मात दी। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में अलीरेजा फिरोजा के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। फिरोजा को इस दौर में वेस्ली सो ने हराया।

महिला वर्ग में तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रा रहे। इसके बाद आर्मागेडन में कजाखस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कोनेरू हम्पी का खराब प्रदर्शन जारी रहा और क्लासिकल ड्रा के बाद टाईब्रेक में झू जिनेर ने उन्हें पराजित कर दिया। वहीं दिव्या देशमुख को अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार झेलनी पड़ी । और मुकाबले शनिवार से फिर शुरू होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल में वैभव के निशाने पर अब गेल के दो बड़े रिकार्ड

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकार्ड बनाये हैं।

एलीमिनेटर मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए विस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का एक सत्र में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड तोड़ा था। वहीं वैभव के निशान पर अब गेल के दो अन्य रिकार्ड हैं जिन्हें वह तोड़ सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने केव 29 गेंदों पर 97 रनों की तूफानी पारी थी। अब राजस्थान रायल्स क्वालीफायर 2 में आज गुजरात टाइटंस का सामना करेगा। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के दो बड़े रिकार्ड होंगे, जिन्हें तोड़ने के लिए वह पूरी तरह से कमर कस चुके हैं। वैभव ने एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (59 छक्के) के रिकार्ड को तोड़ दिय है। वह एक आईपीएल सत्र 600 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक ही सत्र में तीन ऐसी पारियां खेली हैं, जिनमें 10 या उससे अधिक छक्के लगाए गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। अब वह गेल के सबसे तेज शतक के रिकार्ड के अलावा गेल के आईपीएल में बनाए गए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर 175 रनों के रिकार्ड को भी तोड़ने का प्रयास करेंगे। गेल के नाम केवल 30 गेंदों में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा कह है कि राजस्थान रायल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये। रायडू के अनसार राजस्थान रायल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है। ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रायुडू के अनुसार इन हालातों में यशस्वी को किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलना चाहिये। रायुडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रायल्स मे वैभव की चमक में वह पीछे होते जा रहे हैं। रायुडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें। रायुडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता। वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है। अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके। वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है। उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। रायुडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फ्रेंचाइजी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है। वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए यह उनके लिए ठीक रहेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जहां वैभव ने आक्रामक बल्लेबाजी की। वहीं वैभव धीमी गति से खेलते दिखे।

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़े बदलाव होना तय

मुम्बई। आईपीएल 2026 के सत्र में अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स में अब बड़े बदलाव की संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि अगले सत्र में टीम में कई स्टार खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। ऋषभ पंत की कप्तान में टीम 14 मुकाबलों में से केवल चार में ही जीती है। जिससे उसके केवल 8 अंक ही मिले पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से प्रबंधन नाराज है और अगले सत्र के लिए एक बेहतर टीम बनाना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी आईपीएल 2027 सत्र के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाना तय है। यहां तक कि कप्तान ऋषभ पंत भी इसस बाहर नहीं है। टीम ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की रिकार्ड कीमत पर टीम में शामिल किया था पर करीब दो सत्र बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। 28 मैचों में उन्होंने सिर्फ 581 रन बनाए, जो उनकी क्षमता के हिसाब से काफी कम हैं। बतौर कप्तान भी उनका रिकार्ड प्रभावशाली नहीं रहा, क्योंकि उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो सत्र में प्लेआफ में नहीं पहुंच पायी। ऐसे में फ्रेंचाइजी अब उनके भविष्य पर गंभीरता से विचार कर रही है और संभव है कि उन्हें अगले सत्र में नई भूमिका या टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। इसके अलवा वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन भी टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए।

जेमिमा और यास्तिका की धमाकेदार पारियों से भारत की शानदार जीत, इंग्लैंड को पहले टी 20 में 38 रन से हराया

चेल्म्सफोर्ड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले में 38 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 188 रन बनाए और फिर इंग्लैंड को 8 विकेट पर 150 रन तक सीमित कर दिया।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लारेन बेल ने पहले ही ओवर में कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया।

हालांकि इसके बाद यास्तिका भाटिया और जेमिमा रोड्रिग्स ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला। इंग्लैंड की गेंदबाज इज़ी वोंग का एक ओवर भारत के लिए मैच बदलने वाला साबित हुआ, जिसमें 27 रन बने। यास्तिका ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि जेमिमा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 69 रन की बेहतरीन पारी खेली।

दोनों बल्लेबाजों के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि 14वें ओवर में दोनों के जल्दी-जल्दी आउट होने से इंग्लैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन दीप्ति शर्मा की उपयोगी कैमियो पारी ने भारत को 188 रन तक पहुंचा दिया।

189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत भी खराब रही। क्रांति गौड़ और अरुंधति रेड्डी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए शुरुआती झटके दिए। इंग्लैंड ने पावरप्ले में केवल 43 रन बनाए।

एमी जोन्स ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में अर्धशतक लगाया और हीदर नाइट के साथ साझेदारी कर इंग्लैंड को मुकाबले में बनाए रखने की कोशिश की। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा।

श्री चरणी ने महत्वपूर्ण साझेदारी तोड़ी, जबकि नंदनी शर्मा ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अंतिम पांच ओवरों में इंग्लैंड केवल 30 रन ही जोड़ सकी और भारत ने मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया।

हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढी है। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान हैं। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रायल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और आरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत: 20 ओवर में 188/7
जेमिमा रोड्रिग्स 69, यास्तिका भाटिया 54
लारेन बेल 3/34

इंग्लैंड: 20 ओवर में 150/8
एमी जोन्स 67
नंदनी शर्मा 3/34, क्रांति गौड़ 2/24
भारत 38 रन से विजयी।

फ्रेंच ओपन 2026 के तीसरे दौर में पहुंचीं सबालेंका

पेरिस

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने गुरुवार को फ्रांस की एल्सा जैक्मो को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली। पिछले साल की उपविजेता सबालेंका को शुरुआती सेट में स्थानीय खिलाड़ी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकी बेलारूस की स्टार खिलाड़ी अब भी अपने पहले फ्रेंच ओपन खिताब की तलाश में हैं। जैक्मो ने घरेलू दर्शकों के सामने शानदार शाट लगाए और पहले सेट में सबालेंका को लंबे समय तक संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह बेहद मुश्किल मुकाबला था। वह बहुत चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी थीं। मैं खुश हूं कि मैंने सीधे सेटों में मैच खत्म किया। उन्होंने शानदार टेनिस खेली और मुझे अपना स्तर ऊपर उठाना पड़ा।

विश्व नंबर एक सबालेंका ने दमदार फोरहैंड के साथ शुरुआती बढ़त बनाते हुए स्कोर 3-1 किया, लेकिन जैक्मो ने तुरंत वापसी करते हुए बराबरी हासिल कर ली। पहले सेट में 5-4 पर सबालेंका के पास सेट प्वाइंट था, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी ने शानदार सटीकता के साथ मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

हालांकि सबालेंका ने संयम बनाए रखा और तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरे सेट की शुरुआत में ही सबालेंका ने ब्रेक हासिल कर लगातार पांच गेम जीत लिए। जैक्मो धीरे-धीरे थकान से जूझती नजर आईं और वापसी नहीं कर सकीं। अब तीसरे दौर में सबालेंका का सामना आस्ट्रेलिया की डारिया कासात्किना से होगा।

कासात्किना के बारे में सबालेंका ने कहा, उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। वह हर गेंद वापस खेलती हैं और क्ले कोर्ट पर हर अंक के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम घोषित

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए गत चैंपियन अर्जेंटीना ने अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अनुभवी स्टार लियोनेल मेसी को भी टीम में शामिल किया है। विश्व कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में शुरू होगा। अर्जेंटीना अपनी तैयारियों के तहत 6 जून को होंडुरास और 9 जून को आइसलैंड के खिलाफ मैत्री मुकाबले खेलेगा। इसके बाद टीम कैनसस सिटी स्थित अपने बेस कैंप पहुंचेगी। अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका सामना आस्ट्रिया और जार्डन से होगा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम गोलकीपर : एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुसो। डिफेंडर : लिएंड्रो बालेरदी, निकोलस टैग्लियाफिको, गोंजालो मोंटियल, लिसांद्रो मार्टिनेज, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, फाकुंडो मेडिना, नाहुएल मोलिना। मिडफील्डर : लिएंड्रो परेडेस, रोड्रिगो डी पाल, वैलेंटिन बार्को, जियोवानी लो सेल्सो, एक्सेक्विएल पालासियोस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडिज।

अश्विन बोले, हेड को लेकर फैसला करे सनराइजर्स

चेन्नई

दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद को अगले सत्र से पहले आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को लेकर कोई फैसला करना होगा। अश्विन के अनुसार हेड का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। अश्विन के अनुसार राजस्थान रायल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जिस प्रकार से हेड लपरवाही से शाट खेलकर आउट हुए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम को इस मैच में 243 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना था। ऐसे में हेड को जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था। इसके अलाव उन्होंने ईशान किशन की भी खराब पारी के लिए आलोचना की है।

अश्विन के अनुसार हेड के अलावा सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाजों ने भी गैरजिम्मेदाराना शाट खेलकर अपनी टीम को जीत से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि टीम यह मैच आसानी से जीत सकती थी, खासकर जिस तरह से टीम ने शुरुआती ओवरों में धमाकेदार शुरुआत की थी। अश्विन ने कहा, जब टीम पहले दो ओवर में 32-34 रन और तीन ओवर में लगभग 50 रन बना चुकी थी, तब ईशान किशन का शाट बिल्कुल गैरजरूरी था। उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। इतने बड़े मैच में ऐसा शाट खेलने का कोई मतलब नहीं था।

ट्रैविस हेड के कमजोर प्रदर्शन पर भी अश्विन ने सवाल खड़े किए और फ्रेंचाइजी प्रबंधन को उनके भविष्य पर विचार करने की

सलाह दी। उन्होंने कहा, हेड ने इस सत्र में बिल्कुल भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मैनेजमेंट को उनके बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। एलिमिनेटर मुकाबले में, हेड सिर्फ 8 गेंदों में 17 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हो गए, जब वह एक बड़ा शाट खेलने का प्रयास कर रहे थे।

आईपीएल के इस सत्र में हेड का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने इस सत्र में 410 रन बनाए और केवल दो अर्धशतक लगाए, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 170.12 रहा। यह प्रदर्शन आईपीएल 2024 के मुकाबले फीका रहा, जहां उन्होंने एसआरएच के लिए विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 567 रन बनाए थे और टीम की आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान बन गए थे। उस शानदार प्रदर्शन के बाद ही फ्रेंचाइजी ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। पिछले दो सत्र से जिस प्रकार से हेड का प्रदर्शन नीचे आया है। उससे तय है कि अगली बार टीम शायद ही उन्हें अवसर दे।

मैथ्यूज़ की तूफानी पारी से वेस्टइंडीज की धमाकेदार जीत, आयरलैंड को 8 विकेट से हराया

डबलिन

कप्तान हेले मैथ्यूज़ की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने महिला टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में गुरुवार देर रात आयरलैंड को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। पाकिस्तान की मौजूदगी वाली इस श्रृंखला के शुरुआती मैच में वेस्टइंडीज ने पहले आयरलैंड को महज 103 रन पर समेटा और फिर लक्ष्य को केवल 11.3 ओवर में हासिल कर लिया।

टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज टीम ने शुरुआत से ही आयरलैंड पर दबाव बना दिया। ज़ैदा जेम्स ने लगातार दो ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, जबकि जहजारा क्लैक्सटन ने रेबेका स्टोकेल को आउट कर आयरलैंड का स्कोर पावरप्ले के अंदर ही 23/3 कर

दिया।

इसके बाद कप्तान आर्लाा प्रेंडरगास्ट और लिया पाल ने चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की। लेकिन 12वें ओवर में हेले मैथ्यूज़ ने प्रेंडरगास्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद आयरलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और टीम 17 ओवर में 103 रन पर आलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज ने मैच में कुल नौ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। कियाना जोसेफ सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने दो ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके।

104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज को एवा कैनिंग ने शुरुआती झटके देते हुए डिएंड्रा डाटिन और कियाना जोसेफ को पवेलियन भेजा। हालांकि इसके बाद कप्तान हेले मैथ्यूज़ ने आयरिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मैथ्यूज़ ने सिर्फ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और लगातार आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने स्टेफनी टेलर के साथ 69 रन की साझेदारी की। टेलर ने 10 रन बनाकर सहयोगी भूमिका निभाई, जबकि मैथ्यूज़ 44 गेंदों पर 82 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को रोहित सहित इन खिलाड़ियों ने नई पहचान दी

मुम्बई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रारुप आजकल छाया हुआ है। इसमें तेजी से लगने वाले चौके और छक्कों से खेल का रोमांच बना रहता है। जिससे दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियमों में नजर आती है। टी20 प्रारुप में कई पावर हिटर हुए हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खेल को एक अलग पहचान दी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सहित कई ऐसे बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से इस प्रारुप का रोमांच बढ़ाया है हालांकि अब रोहित ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिसा है और वह केवल लीग क्रिकेट ही खेलते हैं। रोहित शर्मा : रोहित ने साल 2007 से 2024 तक के अपने शानदार करियर में 159 मैचों की 151 पारियों में 4231 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 140.89 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक 205 छक्के दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रारूप का सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाज बनाता है। मुहम्मद वसीम : एसोसिएट टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कप्तान मुहम्मद वसीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 2021 से 2026 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वसीम ने 99 मैचों में 3371 रन बनाए हैं। 36.24 की औसत और 150.96 के तूफानी स्ट्राइक रेट के साथ, उन्होंने 196 छक्के लगाये हैं।

पेट के कैंसर से बचा सकता है बैंगनी आलू

बैंगनी आलू को अपने भोजन में शामिल कर आप पेट के कैंसर से बच सकते हैं। बैंगनी आलू पेट के कैंसर के लिए जिम्मेदार स्टेम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं तथा इस घातक बीमारी को फैलने से रोकते हैं। अमेरिका की पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में खाद्य विज्ञान के सहायक प्रोफेसर जयराम वानामाला ने बताया कि कैंसर का मुकाबला करने के लिए स्टेम कोशिकाओं पर हमला करना एक प्रभावी तरीका है।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त टिश्यू जमा हो जाते हैं जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सांस सामान्य रूप से नहीं आता और खर्राटे की समस्या शुरू हो जाती है। वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है। इसी तरह गर्भावस्था के दौरान भी गले में फैटी टिश्यू जमा होने के कारण कुछ महिलाएं खर्राटे लेती हैं। सर्दी या एलर्जी के कारण आने वाले खर्राटे अस्थायी होते हैं।

जिम के कपड़ों से आने वाले बैक्टीरिया से कैसे बचें

हम आपको बता दें कि आपके पसीने से बदबू नहीं आती, लेकिन यह बैक्टीरिया त्वचा के संपर्क में आते हैं तो बदबू आने लगती है। हालांकि नए कपड़े पसीने को त्वचा से दूर करने में अच्छी तरह से काम करते हैं, लेकिन इनमें बैक्टीरिया के पनपने की संभावना भी बढ़ जाती है। इससे बचने का एकमात्र तरीका है सफाई और सही रखरखाव।

तकनीकी कपड़ों के लिए इस्तेमाल होने वाले पॉलिएस्टर बैक्टीरिया को पसंद होते हैं। फाइबर की अद्वितीय बुनाई बैक्टीरिया को छिपने का स्थान देती है। यहां तक कि नियमित रूप से धोने के बाद भी बैक्टीरिया दूर नहीं होता। और चीजें निश्चित रूप से और भी खराब हो जाती है, अगर आप एक्सरसाइज के पसीने से तर कपड़ों को जिम बैग में रख देते हैं। चाहे फिर वह केवल कुछ घंटों के लिए ही क्यों न हो। अधिकांश लोगों को रखरखाव के स्तर का पता नहीं होता, जबकि इस नए मैटीरियल बदबू फ्री रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए जिम जाने वालों को अपने पसीने से तर एक्सरसाइज के कपड़े क्लीनिंग के तीन स्टेप से साफ करें।

पहले खंगाले और फिर हवा में डालें

तत्काल ध्यान देना किसी भी समस्या की कुंजी होती है। वर्कआउट के कपड़ों को पानी से निकालकर तुरंत बाहर हवा में डाले। बाहर की ताजी और खुली हवा कपड़ों को न केवल सुखाएगी, बल्कि उनमें से बदबू भी हटा देगी। हालांकि तुरंत ऐसा करना अजीब लग सकता है, लेकिन यह पसीने और बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए एक्सरसाइज के बाद कपड़ों को बैग में रखना ठीक है, लेकिन घर जाने के तुरंत बाद इसे धोना सही रहता है। अगर घर जाते ही ऐसा करना संभव नहीं है तो कम से कम कपड़ों को शुष्क हवा में रख दें। कपड़े धोने के कमरे में फर्श पर नम कपड़ों का ढेर एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है।

इन चीजों से पॉवर वॉश करें

धोने के पानी में 1 कप सफेद सिरका और 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दें। यह कपड़ों से बैक्टीरिया को दूर करने में मदद करता है। अगर फिर भी बदबू आ रही है तो कपड़ों को 1 कप सफेद सिरका, 2 चम्मच हाइड्रोजन पेरोक्साइड और 2 चम्मच बेकिंग सोडा वाले पानी में एक घंटे तक भिगोकर रख दें। फिर सफेद सिरके और बेकिंग सोडा के साथ धो लें।

अपने प्रयासों पर पानी मत डालें

जिम के कपड़ों के साथ फैब्रिक सॉफ्टनर और ड्रायर शीट के प्रयोग से बचें, क्योंकि यह कपड़ों पर कोटिंग छोड़ सकता है। और कभी-कभी अपने जिम बैग को भी धोना चाहिए क्योंकि इस बैग में जिम के लिए पानी की बॉटल, कपड़े, ग्लव्स, जूते, टॉवेल, आदि कई सामान होते हैं। आप इस बैग में पसीने वाले कपड़े भी रखते हैं। पसीने के कारण इनमें भी बैक्टीरिया पनपते हैं। इनके कारण ही त्वचा पर संक्रमण फैलने की अधिक संभावना होती है। इसके लिए सबसे पहले टैग की जांच करें, अगर आपका बैग मशीन में धो सकते हैं तो अंदर से बाहर मोड़कर, इसमें मौजूद किसी भी मैटल हिस्से को हटा दें। फिर इसे मशीन को डेलिकेट मोड पर करके धो लें और सुखाने के लिए हवा में बाहर डालें। लेकिन अगर आपका बैग चमड़े का है तो इसमें अखबार रखकर बदबू को बेअसर कर सकते हैं।

आज सामान्य और सेहतमंद तरीके से बच्चे को जन्म देना आसान नहीं है। इसके लिए आपको पूरी तैयारी करनी पड़ेगी। आजकल का खानपान और व्यायाम के प्रति लापरवाही के चलते सामान्य डिलीवरी अब ना के बराबर हो गई है। इसी के चलते ज्यादातर महिलाओं को ऑपरेशन के द्वारा ही बच्चें को जन्म देना पड़ता है। जो महिला के स्वास्थ्य को कमजोर कर देती है। लेकिन अगर आप सामान्य रूप से डिलीवरी कराना चाहती है तो योगा के इन तीन आसान को नियमित रूप से करें।

सामान्य डिलीवरी के लिए हैं ये योगासन

पश्चिमोत्तानासन

- यह आसन स्त्रियों के लिए भी लाभकारी है। यह आसन गर्भाशय से सम्बन्धी शरीर के स्नायुजाल को ठीक करता है। इससे गर्भावस्था के दौरान रीढ़ की हड्डी मजबूत होगी और कमर दर्द कम होगा। इससे तनाव कम होगा और मांसपेशियां लचीली होंगी।
- पैर सीधे करके बैठ जाएं और पंजो में हल्की दूरी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथो को उठाएं और सांसे छोड़ते हुए पंजों को छूने की कोशिश करें। अधिक स्ट्रेस न लें और सांसे सामान्य कर लें। दस तक गिने और फिर सीधी अवस्था में आ जाएं। इसे अधिकतम तीन बार करें।
- इस स्थिति में आरामदायक समय तक श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए रुकें। इसके बाद श्वास अन्दर लेते हुए हाथ तथा धड़ को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं तथा श्वास बाहर निकालते हुए हाथ नीचे ले आएं। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास के बाद रीढ़ को पीछे झुकाने वाले किसी भी आसन का अभ्यास करना चाहिए।

तितली आसन

- तितली आसन को गर्भावस्था के तीसरे महीने से कर सकते है। शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने के लिए यह आसन किया जाता है। यह गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के यूटेरस की मांसपेशियों को लचीला बनाता है और कमर को मजबूत करता है। इसे करने से शरीर के निचले हिस्से का तनाव खुलता है।

- तितली आसन करने के लिए दोनों पैरों को सामने की ओर मोड़कर, तलवे मिला लें, यानी पैरों से नमस्ते की मुद्रा बननी चाहिए। इसके पश्चात दोनों हाथों की उंगलियों को क्रॉस करते हुए पैर के पंजे को पकड़ें और पैरों को ऊपर-नीचे करें। आपकी पीठ और बाजू बिल्कुल सीधी होनी चाहिए। इस क्रिया को 15 से अधिक बार ना करे। यदि इस क्रिया को करते वक्त आपको कमर के निचले हिस्से में दर्द महसूस होता हो तो इसे बिल्कुल भी न करें।

बद्ध कोणासन

- बिना ज्यादा तकलीफ के सामान्य डिलवरी कराने के लिए गर्भवती स्त्रियों को बद्ध कोणासन करना चाहिए। इस आसन से प्रसव पीड़ा कम होती है।
- समतल स्थान पर कंबल या अन्य कोई कपड़ा बिछाकर दोनों पैरों को सामने की ओर करके बैठ जाएं। फिर दोनों घुटनों को मोड़ते हुए पैरों के पास ले आएं और दोनों पैरों के तलवें आपस में मिलाएं। दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ लें। पैरों की उंगुलियों को दोनों हाथों से पकड़ लें और रीढ़ को सीधा रखें जैसे तितली आसन में बैठा जाता है। बाजू को सीधा करें और पैरों को ज्यादा से ज्यादा पास लाने का प्रयास करें जिससे आपका शरीर तन जाए।
- यह इस आसन की प्रारंभिक स्थिति है। गहरी सांस भरें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे कमर से आगे इस प्रकार झुकें कि रीढ और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव बना रहे। प्रयास करें की आपका सिर जमीन से स्पर्श हो जाए। अगर ये संभव ना हो तो अपनी ठुड्डी को पैरों के अंगूठे से सांस को सामान्य कर लें। अंत में सांस भरते हुए वापस प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। दो या तीन बार इस आसन का अभ्यास करें।

छोटी सांसें यानी ऑक्सीजन की कमी

खिलाड़ी व नियमित व्यायाम करने वालों को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर नहीं जानते कि खून में पर्याप्त ऑक्सीजन का अच्छी फिटनेस से कितना गहरा संबंध है। शरीर में स्वस्थ कोशिकाएं एरोबिक होती हैं यानी उन्हें बढ़ने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जिस तरह बिना ऑक्सीजन आग नहीं जलती, उसी तरह हमारी कोशिकाएं भी बिना ऑक्सीजन ऊर्जाविहीन हैं। खून में ऑक्सीजन की कमी को हाइपोक्सिमिया कहते हैं। ऐसा दमा, फेफड़े की बीमारी व शरीर में लोहतत्व की कमी पर भी होता है। सांसें छोटी आना, बेचैनी, सिरदर्द, उच्च रक्तचाप और त्वचा का नीला पड़ना भी खून में ऑक्सीजन की कमी से जुड़ा है। धमनियों में से खून के नमूने की जांच करके ऑक्सीजन का स्तर जांचा जाता है।

सेहत का मामला है

खून में पर्याप्त ऑक्सीजन होने से मेटाबॉलिक दर में भी वृद्धि होती है। वह दर, जिससे शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलता है। खून में पर्याप्त ऑक्सीजन से कोशिकाओं में टॉक्सिन्स जमा नहीं होते। इतना ही नहीं, शरीर की एरोबिक क्षमता अधिक होने पर हृदय मजबूत होता है, फेफड़े ढंग से काम करते हैं और इम्युनिटी में सुधार होता है। अधिक श्रम के व्यायाम के लिए श्वसनतंत्र की मजबूती जरूरी है।

गहरे श्वास लेना है जरूरी

ऑक्सीजन सांस के जरिए शरीर में जाती है। हवा से ऑक्सीजन को अलग करने का काम फेफड़े करते हैं। ऑक्सीजन फेफड़ों के पास से रक्त नलिकाओं तक पहुंचती है और उसके बाद खून के जरिए कोशिकाओं तक। ऑक्सीजन का सही स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है गहरे श्वास लेना। अधिकतर रक्त नलिकाएं फेफड़ों के निचले हिस्से में होती हैं। छोटे श्वास लेने पर हवा केवल फेफड़ों के ऊपरी हिस्से तक ही पहुंचती है।

खानपान से ऐसे बढ़ाएं ऑक्सीजन

हरी सब्जियां जैसे चुकंदर, लहसुन, ब्रोकली, लेट्यूस, मूली व सीताफल का सेवन अधिक करें। फलों में स्ट्रॉबेरी व ऐवकाडो (रुचिरा) अधिक खाएं। इसके अलावा केला, आलू व टमाटर भी एसिडिटी को कम करते हैं और खून में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करते हैं।

- चुकंदर और लेट्यूस मिट्टी से नाइट्रेट अधिक ग्रहण करते हैं। पौधों से मिलने वाले नाइट्रेट, स्टोर किए गए मीट की तुलना में अधिक सेहतमंद हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी अधिक होते हैं। शरीर में पहुंच कर ये नाइट्रिक ऑक्साइड बनाते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर नियमित होता है और कार्डियोवस्कुलर सिस्टम में सुधार होता है।
- भरपूर पानी व कच्ची हरी सब्जियों का जूस पिएं। यदि आपको अपनी सांसें असामान्य लगती हैं तो आप प्रतिदिन एक गिलास चुकंदर का जूस ले सकते हैं।
- इंटरवल एरोबिक ट्रेनिंग करें। यदि आप केवल चलते हैं तो इसे 40 मिनट की अवधि में पांच-पांच मिनट के इंटरवल में बांट लें। एक मिनट तेज गति से चलें और फिर चार मिनट धीमी गति से। ऐसा 5 से 6 बार दोहराएं।
- श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नियमित वजन उठाएं, जिसमें कंधे, पीठ और छाती के व्यायाम शामिल हैं। इनसे श्वास की प्रक्रिया में सुधार होता है। गहरे श्वास लें।

इन तरीकों से

धूम्रपान को कहें अलविदा

सिगरेट की लत के बारे में कहते है कि यह लगती तो आसानी है, लेकिन छूटती आसानी से नहीं है। लेकिन स्मोकिंग से होने वाले नुक्सानों को देखते हुए इसे छोड़ देना ही बेहतर है, और इस लत से छुटकारा भी पाया जा सकता है। बस, जरूरत है तो मजबूत इच्छाशक्ति की। धूम्रपान करने वालों को अक्सर लगता है कि अगर वे धुम्रपान छोड़ देंगे तो उनके जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी, लेकिन ऐसा सोचना गलत है। जो लोग धूम्रपान से किनारा कर लेते हैं, वे धूम्रपान करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा संतुष्ट, स्वस्थ और खुश रहते हैं। यदि आप कुछ टिप्स आजमाएंगे तो यकीनन आप धूम्रपान की आदत से छुटकारा पा सकते हैं। यहां हम बता रहे हैं आपको कुछ नुस्खे, जिससे आप अपनी आदत छोड़ सकते हैं।

आत्मसंयम

दृढ़ निश्चय के बाद दूसरी सबसे जरुरी चीज जो आपको चाहिए, वो है आत्मसंयम। यदि आप खुद पर कंट्रोल नहीं रख पाएंगे तो सारा किया-धरा धुएं मे उड़ जाएगा। इसलिए आत्मनियंत्रण बहुत जरुरी है। हो सकता है शुरुआत मे दिक्कत आए, लेकिन खुद पर यकीन रखिए कि आप कर सकते हैं। आप अपने परिवार की एक ग्रुप फोटो अपने पास जरूर रखें। जब भी आप सिगरेट पीए, तो धुएं के आर-पार उस फोटो को देखें। धुएं के पार फोटो देखने से आपको लगेगा कि आप सिगरेट पी रहे है, लेकिन धुआं आपका परिवार झेल रहा है। यकीन मानिए धीरे-धीरे आपको अपनी सिगरेट पीने की आदत से चिढ़ होने लगेगी। कभी भी जल्दबाजी या आवेश मे आकर सिगरेट छोड़ने का फैसला न करें। यदि आप तैश मे आकर सिगरेट छोड़ने की कसम खाते हैं, तो यकीनन आपका दिमाग अगले ही पल कसम तोड़ने के बहाने तलाशने लगेगा। इसलिए सिगरेट छोड़ने का फैसला पूरे होश-ओ-हवास में करें।

सिगरेट को समय से जोड़े

अक्सर लोग जब खुश होते है तो सिगरेट पीते है, दुःखी होते है तो सिगरेट पीते है, टेंशन मे होते है तो पीते है। सबसे पहले तो आपको सिगरेट की फ्रिक्वेंसी पर लगाम लगानी पड़ेगी। आठ घंटे या दस घंटे मे एक सिगरेट। यदि आप चेनस्मोकर है तो आठ घंटे की फ्रिक्वेंसी सैट करिए और यदि आप दिन मे कभी कभार पीने वाले है तो 48 घंटे की फ्रिक्वेंसी सही रहेगी। वैसे यह व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकती है। स्ट्रैस होने पर सिगरेट पीने का मन करता है। पहले अपने तनाव के कारण खोजें। उन पर विचार करके उनका हल तलाशें। यह सॉल्यूशन अपने मन पसंद कामों से हो सकता है। संगीत सुनना, खेलना, फिल्म देखना, किताबें पढ़ना, सैर-सपाटा या जो कुछ भी आपको पसंद हो, तनाव दूर करने के लिए करें। स्ट्रैस कम रहेगा तो तलब भी कम लगेगी।

ऐशट्रे को साफ मत करिए

आप जितनी चाहे सिगरेट पीजिए, लेकिन अपनी ऐशट्रे को साफ मत करिए, ये आपको याद दिलाती रहेगी कि आपने कितनी सिगरेट पी हैं। यदि आप अलग-अलग जगहों पर सिगरेट पीते है, तो आप बुझी सिगरेट की बट अपने साथ घर ले आएं और घर मे एक गिलास मे सारे बट डालकर रखें, ताकि आपको यह पी हुई सिगरेट की याद दिलाता रहे। जब भी आपके पास खाली समय हो आप इंटरनेट, अखबार या किताब में सिगरेट पीने के बुरे परिणामों वालों लेख जरूर पढ़ें। जिस दिन आप सिगरेट छोड़ने का मन बनाएं, उसी दिन अपना सिगरेट का पुराना स्टॉक सबसे पहले हटाएं। सिगरेट की तलब लगे, जाकर सिर्फ एक सिगरेट लेकर आएं और पीएं। प्रतिदिन पी जाने वाली सिगरेटों की संख्या कम करें। हर बार सिर्फ आधी ही सिगरेट पीएं। सिगरेट के किसी ऐसे ब्रांड को भी ट्राई कर सकते हैं जो आपको बिल्कुल पसंद नहीं। यह भी आपको मदद करेगा।

रेसिपी

आलू पोस्तो

सामग्री

6-7 मध्यम आलू, 1 मध्यम प्याज, 2 हरी मिर्च, पंचफोरन मसाला 1 छोटा चम्मच, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1¼ छोटा चम्मच नमक, 4 बड़े चम्मच पोस्ता दाना, 3 बड़े चम्मच तेल

विधि

प्याज का छिलका हटकट इसे धो लें। प्याज को बारीक टुकड़ों में काट लें। हरी मिर्च का डंठल हटा कर इसे धो लें। मिर्च को बारीक काट लें और अलग रखें। कटा प्याज : आलू को छीलकर इसे धो लें। अब हर आलू को 8 टुकड़ों में काट लें। कटे हुए आलू के टुकड़े : कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। गरम तेल में 1 छोटा चम्मच पंचफोरन मसाला डालें। जाम मसाले चटक जाएं और भुन जाएं तब इसमें कटी प्याज डाले। प्याज को गुलाबी होने तक भूनें। प्याज को भूनें में 2-3 मिनट का समय लगता है। अब भूनी प्याज में कटे आलू डालें। आलू को अच्छे से मिलते हुए दो मिनट के लिए भूनें। अब इसमें नमक डालें और आलू को थोड़ा गलने दे। इस प्रक्रिया में लगभग 5-6 मिनट का समय लगता है। यहां आलू को आधा ही गलाना है। आलू और प्याज : अब आलू में हल्दी पाउडर और कटी हुई हरी मिर्च डालें। अच्छे से मिलाएं और आलू के गलने तक पकाएं। हल्दी डालने के बाद : जब तक आलू गल रहे हैं आप थोड़ा सा पानी डालकर पोस्ता दाना को बारीक पीस कर इसका पेस्ट बना लें। अब पोस्तो के पेस्ट को आलू में डालें। पोस्तो का पेस्ट डालने के बाद : पोस्तो के पेस्ट को आलू में अच्छे से मिलाएं। अब एक चम्मच तेल डालें। सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं। ढकक्न लगाकर धीमी आंच पर पोस्तो आलू को दो मिनट पकने दें। आलू पोस्तो : आंच बंद कर दें अब, आलू पोस्तो तैयार है परोसने के लिए। आप इस स्वादिष्ट आलू पोस्तो को रोटी, पूरी, या फिर चावल किसी के साथ भी परोस सकते हैं।

मेवे के लड्डू

सामग्री

बादाम, अखरोट, पेकन 1 कप, काजू 1/4 कप, कटे हुए, खजूर 1 कप, क्रेनबेरी 2-3 बड़े चम्मच, हरी इलायची 4, ब्राउन शक्कर 2 बड़े चम्मच, पानी 1 बड़ा चम्मच, घी1 छोटा चम्मच (वैकल्पिक), कटे हुए मेवे

विधि

हरी इलायची की बाहरी छिलका निकालें और दानों को दरदरा कूट लें। मध्यम आंच पर कड़ाही में कटे हुए बादाम, पेकन, और अखरोट को 3-4 मिनट के लिए भूनें। अब इन्हे अलग रखें। काजू को भी मध्यम आंच पर 2 मिनट भूने और अलग रखें। खजूर के बीज हटाकर इसे बारीक काट लें। फिर से कड़ाही को गरम करें और इसमें दो बड़े चम्मच ब्राउन शुगर और एक चम्मच पानी गरम करें। जब शक्कर पिघल जाए और अच्छे से पानी के साथ मिल जाए तो इसमें कटे हुए खजूर को डालें। 2 मिनट में ही खजूर पिघलना शुरू कर देगा। खजूर के थोड़ा पिघलते ही इसमें भुने अखरोट, काजू, पेकान, और बादाम डालें। अब इलेयची पाउडर डालें। इसे बराबर चलाते हुए मेवे को खजूर के साथ 2-3 भूनें। अब इसमें क्रेनबेरी डालें। अच्छे से सभी सामग्री को मिलाएं। अब अगर आप चाहें तो जरा सा (1 छोटा चम्मच) घी दल सकते हैं इस मिश्रण में खुशबू के लिए। अब आंच बंद कर दें और लड्डू के मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। अब लगभग 1 बड़ा चम्मच मिश्रण लें और उसे गोल लोग घूमते हुए लड्डू बांधें। इसी प्रकार सारे लड्डू बना लें। स्वादिष्ट मेवे के लड्डू अब तैयार हैं। आप इन लड्डू को हफ्ते भर फ्रिज के बाहर रख सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**